श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 22 वर्ष, अंक 160, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 9 जुलाई 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

तेलंगाना के लिए घातक हैं कांग्रेस-बीआरएस: मोदी

मोदी ने भ्रष्टाचार में संलिप्तता के लिए "परिवारवादी राजनीतिक दलों" पर तीखा हमला किया

वारंगल: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार में संलिप्तता के लिए "परिवारवादी राजनीतिक दलों" पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस, दोनों ही तेलंगाना के लोगों के लिए घातक हैं। इन दोनों से ही तेलंगाना के लोगों को बच कर रहना है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को तेलंगाना के वारंगल में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार पर तीखा हमला बोला। मोदी ने तेलंगाना सरकार पर भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और राज्य के आर्थिक विकास में बाधा डालने सहित कई गलत काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की सरकार ने केवल 4 काम किये हैं पहला, सुबह-शाम मोदी और केंद्र सरकार को गाली देना। दूसरा, एक परिवार को ही सत्ता का केंद्र बनाना और खुद को तेलंगाना का मालिक साबित करना। तीसरा, तेलंगाना के आर्थिक विकास को चौपट करना और चौथा तेलंगाना को भ्रष्टाचार में डुबो देना। प्रधानमंत्री ने कहा कि केसीआर सरकार यानी सबसे भ्रष्ट सरकार। बल्कि अब तो दिल्ली तक इनके भ्रष्टाचार के तार फैल गए हैं। हम पहले दो राज्यों या दो देशों की सरकारों के बीच विकास से जुड़े समझौतों की खबरें सुनते थे लेकिन ये पहली बार हुआ है, जब दो राजनीतिक दलों और दो राज्य सरकारों के बीच भ्रष्टाचार की डील के आरोप लगे हैं। उन्होंने कहा कि परिवारवादी कांग्रेस का भ्रष्टाचार पूरे देश ने देखा है। परिवारवादी बीआरएस का भ्रष्टाचार पूरा तेलंगाना देख रहा है। कांग्रेस हो या बीआरएस, दोनों ही तेलंगाना के लोगों के लिए घातक हैं। इन दोनों से ही तेलंगाना के लोगों को बच कर रहना है। तेलंगाना में भ्रष्टाचार का जो खुला खेल चल रहा है, इसका सबसे बड़ा नुकसान, यहां के युवाओं को उठाना पड़ा है। तेलंगाना स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन स्कैम के बारे में कौन नहीं जानता? यहां की सरकार ने सरकारी नौकरियों को अपने नेताओं की तिजोरी भरने का माध्यम बना लिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह एक भाजपा कार्यकर्ता के रूप में वारंगल में आए हैं। ये क्षेत्र जनसंघ के जमाने से ही हमारी विचारधारा का मजबूत किला है। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य तेलंगाना विकसित बने और तेलंगाना भारत को विकसित बनाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि वारंगल की धरती जनसंघ के समय से ही हमारी विचारधारा का "मजबूत किला" रही है। आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में खड़ी है और इसे साकार करने में तेलंगाना के लोगों ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि बीते 9 वर्षों में पूरी दुनिया में देश का गौरव बढ़ा है, भारत को लेकर आकर्षण बढ़ा है। इसका भी फायदा तेलंगाना को हुआ है। यहां पहले के मुकाबले अब ज्यादा निवेश आ रहा है और इसका फायदा तेलंगाना के युवाओं को हो रहा है, उन्हें नौकरी मिल रही है।

भाजपा झूठे गारंटी कार्ड नहीं बांटती: मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजकल कुछ लोग चुनाव से पहले, जनता को गुमराह करने के लिए झूठी गारंटी लेकर आ रहे हैं लेकिन भाजपा चुनाव जीतने के लिए झूठी बातें या झूठे गारंटी कार्ड नहीं बांटती। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने तेलंगाना के लोगों से बहुत सारे खोखले वादे किए जो पूरे नहीं हुए। यह भाजपा की केंद्र सरकार है, जिसने सीधे ग्राम को 12,000 करोड़ रुपये से अधिक देना सुनिश्चित किया है। तेलंगाना की पंचायतें यहां ज्यादातर काम केंद्रीय फंड से करवा रही हैं। तेलंगाना की हजारों पंचायतें मुश्किलों का सामना कर रही हैं, इसलिए अब उन्होंने यहां की परिवारवादी सरकार को गिराने का फैसला कर लिया है।

तेलुगु लोगों ने भारत के सामर्थ्य को हमेशा बढ़ाया है : मोदी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को तेलंगाना में लगभग 6,100 करोड़ रुपये की कई महत्वपूर्ण अवसंरचना विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस दौरान एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तेलंगाना को बने नौ वर्ष हुए हैं। भले ही तेलंगाना राज्य नया हो लेकिन यहां और यहां के लोगों का देश के इतिहास में बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया में पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बना है। इसमें तेलंगाना के लोगों की बड़ी भूमिका है। तेलुगु लोगों ने भारत के सामर्थ्य को हमेशा बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आज देश में संभावनाओं के बड़े अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही देश के युवा ऊर्जा से भरे हुए हैं। ऐसे में देश का कोई कोना तेज विकास से पीछे नहीं रहना चाहिए। आज पूरे देश में हाई-वे, एक्सप्रेस-वे, इकोनामिक कॉरिडोर और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का जाल बिछ रहा है। ऐसे समय में जब भारत में निवेश बढ़ रहा है और भारत अपने सपनों को पूरा कर रहा है, तेलंगाना को विकास और प्रगति के बहुत अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के रोजगार के लिए उत्पादन क्षेत्र एक बड़ा माध्यम बन रहा है। हमने उत्पादन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की है। प्रधानमंत्री ने जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी उनमें लगभग 5,550 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित की जाने वाली 176 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना भी शामिल है। इन परियोजनाओं में नागपुर-विजयवाड़ा कॉरिडोर का 108 किलोमीटर लंबा मंचेरियल-वारंगल खंड में शामिल है। इस खंड से मंचेरियल और वारंगल के बीच की दूरी में लगभग 34 किलोमीटर की कमी आएगी, जिससे यात्रा अवधि कम हो जाएगी और एनएच-44 और एनएच-65 पर यातायात की आवाजाही और बेहतर होगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने एनएच-563 के 68 किलोमीटर लंबे करीमनगर-वारंगल खंड को मौजूदा दो लेन से चार लेन में उन्नत करने की आधारशिला भी रखी। इससे हैदराबाद-वारंगल औद्योगिक गलियारे, काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क और वारंगल स्थित एसईजेड के बीच परिवहन सुविधा में सुधार करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने रेलवे विनिर्माण इकाई, काजीपेट की आधारशिला भी रखी। 500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित की जाने वाली इस आधुनिक विनिर्माण इकाई से वैगन निर्माण क्षमता में वृद्धि होगी। यह संयंत्र नवीनतम प्रौद्योगिकी मानकों और सुविधाओं जैसे वैगनों की रोबोटिक पेंटिंग, अत्याधुनिक मशीनरी और सामग्री भंडारण और रखरखाव की आधुनिक सुविधा से सुसज्जित होगा। इससे स्थानीय रोजगार सृजन और आसपास के क्षेत्रों में सहायक इकाइयों के विकास में मदद मिलेगी

बंगाल पंचायत चुनाव में जबरदस्त हिंसा

15 की मौत, शाह ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी, शुभेंदु अधिकारी बोले- राष्ट्रपति शासन लगे

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की 73,887 ग्राम पंचायत सीटों में से 64,874 पर मतदान खत्म हो गया। बाकी 9,013 सीटों पर उम्मीदवारों को निर्विरोध चुन लिया गया था। निर्विरोध चुने जाने वाले उम्मीदवारों में सबसे ज्यादा 8,874 तृणमूल कांग्रेस से हैं। 3 बजे तक 51% मतदान हुआ है। चुनाव के नतीजे 11 जुलाई को आएंगे। सेंट्रल फोर्सेस की तैनाती के बाद भी अलग-अलग इलाकों से हिंसा की खबरें आईं। कई इलाकों से बूथ लूटने, बैलेट पेपर फाड़ने, बैलेट पेपर में आग लगाने की घटनाएं देखी गईं। कूच बिहार के

माथभंगा-1 ब्लॉक के हजराहाट गांव में एक युवक बैलेट बॉक्स लेकर भाग गया। साउथ 24 परगना के भांगड़ ब्लॉक के जमीरगाछी में इंडियन सेक्यूलर फ्रंट और टीएमसी कार्यकताओं के बीच झड़प हुई। यहां गांव के लोगों ने बताया कि टीएमसी के लोग थैले में भरकर बम लाए थे। टीएमसी कार्यकर्ता गांव के लोगों को डराकर वोट डलवा रहे थे। उन्होंने इतने बम फेंके कि 2 घंटे तक पोलिंग रुकी रही। कुछ बम मीडिया वालों की तरफ भी फेंके।

पीएम मोदी ने राजस्थान को दी सौगात

बीकानेर/नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के बीकानेर में 24,300 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने अमृतसर-जामनगर आर्थिक गलियारे के छह लेन वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे खंड का लोकार्पण किया। राजस्थान में इस गलियारे की लंबाई 500 किमी से अधिक है, जो हनुमानगढ़ जिले के जाखड़ावाली गांव से जालोर जिले के खेतलावास गांव तक फैली हुई है। इसे लगभग 11,125 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया गया है। इस एक्सप्रेसवे से यात्रा के समय में काफी कमी आएगी और प्रमुख शहरों एवं औद्योगिक गलियारों के बीच परिवहन सुविधा में सुधार होगा।

एक्सप्रेसवे न केवल वस्तुओं के निर्बाध परिवहन की सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि इससे पर्यटन और आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में बिजली क्षेत्र को बढ़ावा देते हुए।

379 अमरनाथ यात्रियों को सेना ने सुरक्षित निकाला

श्रीनगर: खराब मौसम के कारण श्री अमरनाथ यात्रा मार्ग में फंसे 379 श्रद्धालुओं को भारतीय सेना के जवानों ने सुरक्षित निकाल लिया। जवानों द्वारा उन्हें पूरी सहायता प्रदान की जा रही है। सेना की उत्तरी कमान ने ट्विटर के माध्यम से यह जानकारी साझा की। सेना ने बताया कि रास्ते में फंसे यात्रियों को निकाल कर बरारी मार्ग कैंप में 253 यात्री और चंदनवाडी कैंप में 126 यात्रियों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना द्वारा समय पर आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है।

सीएम धामी ने कांवड़ियों के चरण धोकर किया स्वागत

हरिद्वार। मुख्यमंत्री ने शनिवार को ओम पुल, स्थित गंगा घाट में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए विभिन्न प्रदेशों से देवभूमि उत्तराखण्ड आये शिवभक्त कांवड़ियों के चरण धोकर एवं उन्हें सम्मान स्वरूप गंगाजल भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने डामकोठी में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ कांवड़ यात्रा का संदेश दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देश के विभिन्न राज्यों से उत्तराखंड आए कांवड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि हरिद्वार पूरे देश की श्रद्धा का केंद्र है। इस पवित्र जगह मां गंगा एवं भगवन भोलेनाथ का विशेष आशीर्वाद है। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व है। राज्य सरकार को कांवड़ियों का स्वागत करने का सौभाग्य मिला है। कांवड़ यात्रा को सुगम सुरक्षित बनाकर सरकार इस यात्रा में कावड़ियों का सहयोगी बनकर कार्य कर रही है। कांवड़ियों की सेवा करना सभी के लिए पुण्य का काम है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने कांवड़ यात्रा के लिए विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य कैंप, शौचालय, पार्किंग, टीन शेड, विश्राम स्थल की पर्याप्त व्यवस्था की है। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष व्यवस्थाओं को और अधिक सुधारा गया है। उन्होंने कहा पिछले वर्ष कांवड़ यात्रा में करीब चार करोड़ कांवड़िये उत्तराखंड आए। भगवान भोलेनाथ की कृपा से पिछले वर्ष की यात्रा सकुशल हुई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में कांवड़ियों के उत्तराखंड आने का अनुमान है, जिसके लिए शासन प्रशासन पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है।

आखिर कौन सा अत्याचार देखने के बाद शिवराज की आत्मा जागेगी: कमलनाथ

भोपाल: पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने विदिशा में पिता पुत्री और की आत्महत्या और डबरा में अल्पसंख्यक समुदाय के युवक के साथ आत्याचार की घटना को लेकर प्रदेश की शिवराज सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश में घटित हो रही इस तरह की घटनाएं भी मुख्यमंत्री की आंखे नहीं खोल रही हैं तो आखिर कौन सा अत्याचार देखने के बाद उनकी आत्मा जागेगी। कमलनाथ ने शनिवार को ट्वीट कर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश से हर दिन अमानवीय अत्याचार और नागरिकों को सताए जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। विदिशा में कल एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। इससे पहले उनकी बेटी ने छेड़छाड़ से त्रस्त होकर आत्महत्या कर ली थी। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि एक बेटी छेड़छाड़ से दुखी होकर आत्महत्या कर लेती है और उसे न्याय नहीं मिलता। तंग आकर उसके पिता को भी आत्महत्या करनी पड़ती है।

227 कुशल खिलाड़ियों को पुलिस विभाग में तैनाती मिली, लखनऊ के लोकभवन में हुआ आयोजन

सीएम योगी ने नियुक्ति पत्र वितरण किया

लखनऊ: सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में 227 आरक्षियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान कहा कि प्रदेश में खेलों को लेकर स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है हमने खिलाड़ियों की भर्ती प्रक्रिया को सरल किया। हर जिले में स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। यूपी पहला राज्य है, जहां टोक्यो पैरा ओलंपिक खिलाड़ियों को नगद राशि सम्मानित किया गया। सीएम योगी ने कहा कि हमने शासनादेश मे संशोधन किया

और खिलाड़ियों को नियुक्ति दे रहे है, खिलाड़ियों का चयन हुआ है, इससे पहले इतनी बड़ी संख्या मे कभी नियुक्ति नही मिली। प्रधानमंत्री के नेतृत्व मे पूरे देश मे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो रही हैं। पिछले वर्षो में खेलो इंडिया खेलो, फिट इंडिया मूवमेंट से गतिविधिया आगे बढ़ रही हैं। आज 227 कुशल खिलाड़ियों को पुलिस विभाग मे नियुक्त किया जा रहा है..सभी अभिभावकों और अभ्यर्थियों को बधाई। सीएम योगी ने कहा कि किसी खिलाड़ी के लिए खेल की तैयारी और फिट रखना, पारिवारिक जिम्मेदारियों को साथ लेकर चलना बहुत चुनौती का विषय है। कोई खिलाड़ी अपने लिए नहीं खेलता, जब वो किसी प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करता है, तो प्रदेश और देश का नाम रोशन करता है।

चार्जशीटेड डिप्टी सीएम पर फैसला करें नीतीश: बीजेपी

पटना: प्रदेश भाजपा ने उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को उनके पद से हटाने की मांग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की है। नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने शनिवार को प्रदेश कार्यालय में कहा कि उप मुख्यमंत्री को लेकर नीतीश कुमार को फैसला लेना होगा। तेजस्वी यादव को कुर्सी से हटा दें या फिर खुद हट जाएं। क्योंकि, चार्जशीटेड उप मुख्यमंत्री नहीं चलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जवाब देने के लिए 72 घंटे का समय भी दिया है। सिन्हा ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि सदन शुरू होने से पहले चार्जशीटेड उप मुख्यमंत्री पर फैसला करना होगा। भ्रष्टाचार के

मामले पर मुख्यमंत्री को जवाब देना होगा। नीतीश उप मुख्यमंत्री को हटाएं या खुद हटें। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के मंत्री इजराइल मंसूरी या तेजस्वी प्रसाद यादव पर मुख्यमंत्री क्यों चुप हैं। साथ ही कहा कि अपराध, भ्रष्टाचार, शिक्षक नियुक्ति के मामला पर विपक्ष सरकार को घेरेगी। राजद कार्यालय के बाहर मोदी वाशिंग पाउडर के पोस्टर पर विजय सिन्हा ने कहा कि राजद के लोग कांग्रेस के सहयोगी रहे हैं। कांग्रेस के लोग संवैधानिक संस्था पर विश्वास नहीं करते हैं। इन दिनों बिहार में हुए ट्रांसफर-पोस्टिंग पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में अराजकता का माहौल है।

जून महीने में ट्रांसफर पोस्टिंग नियम के खिलाफ करोड़ों की लेन-देन हुई है। आरजेडी का प्रभार शिक्षा विभाग में कनीय पदाधिकारियों को दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग में बड़े पैमाने पर तबादले का भाव, ट्रांसफर पोस्टिंग की डाक की बोली लगाई गई। विधानमंडल में भी नियम के विरोध में प्रोन्नति दी गई है।

जनता जानती है सीएम गहलोत के राहत के पिटारे की असलियत : शेखावत

जोधपुर। गहलोत सरकार की महंगाई राहत घोषणाओं पर केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने तंज कसा और कहा कि इस राहत के पिटारे की असलियत जनता सब समझ चुकी है। जनता की जेब से पैसे निकालकर उसे महंगाई राहत के नाम पर वापस लौटाने के नाटक से अब उसे बहकाया नहीं जा सकता। शनिवार को जिले के लोहावट और फलौदी इलाकों के दौरे के दौरान ।

न टायर हूं, न रिटायर हूं, मैं फायर हूं: शरद पवार

पार्टी से जो चले गए उन्हें वापस नहीं बुलाएंगे: शरद पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने पार्टी में बगावत पर कहा कि जो लोग चले गए उन्हें नहीं बुलाएंगे, लेकिन वे नहीं चाहते पार्टी में टकराव और बढ़े। भतीजे अजीत पवार द्वारा उनकी उम्र के बारे में उठाए गए सवाल पर शरद पवार ने कहा कि न टायर हूं, न रिटायर हूं, मैं फायर हूं।

शरद पवार ने नासिक में पत्रकारों से कहा कि उनकी उम्र को लेकर सवाल खड़ा किया गया। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई 84

साल की उम्र में हमसे अधिक और चुस्ती से काम करते थे। जिन लोगों ने यह सवाल खड़ा किया है, उनके कैबिनेट में 78 साल से अधिक उम्र के भी हैं। वे किसी पर आरोप नहीं लगाना चाहते।

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री का पत्र पाकर खुशी से झूम उठी बभनियांव की बेटी सौम्या तिवारी

जंघई। बभनियांव गांव निवासी शिक्षक हरिशंकर तिवारी के छोटे पुत्र नितिन तिवारी की पुत्री सौम्या तिवारी जो कि रानी लक्ष्मी बाई इंटर कालेज लखनऊ की 12 वीं की छात्रा के रूप में विगत 23 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परीक्षा पर चर्चा के दौरान बेबाकी एवं पूरी ऊर्जा से सुझाव दिया था। सौम्या के सुझाव से प्रशन्न होकर प्रधानमंत्री कार्यालय से प्रधानमंत्री के पत्र द्वारा 4 जुलाई को सौम्या को बधाई देते हुए उत्साह वर्धन किया गया है। प्रधानमंत्री का पत्र पाकर एवं परिजनों एवं ग्रामीणों, रिश्तेदारों तथा क्षेत्र के लोगों ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए सौम्या के उज्जवल भविष्य हेतु ईश्वर से कामना किया है।

भुखमरी के कगार पर दुग्ध उत्पादक किसान, 6 माह से नहीं मिला पैसा !

कोरांव में चल रही समितियों का 80 लाख रुपए बकाया, भुगतान में आनाकानी

अखंड भारत संदेश

रत्योरा। पराग डेरी से जुड़े किसान इस समय भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। दूध का उत्पादन करने वाले किसानों को जनवरी से लेकर अब तक छः माह का पैसा नहीं मिला है जिससे दूध का उत्पादन करने वाले किसान चिंतित व परेशान हैं। दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड नगई का पूरा बीएमसी संचालक उदित नारायण सिंह ने बताया कि आधा दर्जन से अधिक समितियां मेरे संघ से संबद्ध हैं। लगभग 40 लाख रुपए अकेले मेरा बकाया है। ऐसे में हर 10 दिन पर दूध देने वाले किसानों को पैसा देना पड़ रहा है। 6 महीने से पैसा न मिल पाने के कारण अब दूध देने वाले किसान समितियों के सचिव को परेशान कर रहे हैं। जबकि पराग डेयरी की ओर से 6 महीने से किसी भी प्रकार का कोई भुगतान नहीं किया गया है। दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड नटवा बरहमपुर के संचालक राधेश्याम कुशवाहा ने बताया कि तकरीबन चार लाख मेरा भी बकाया है। 6 महीने से पराग डेरी के ऑफिस का चक्कर काट रहा हूं लेकिन एक भी पैसा नहीं मिल पा रहा है। जिससे दूध देने वाले किसान प्रतिदिन समितियों पर झगड़ा करने पर उतारू हो रहे हैं। इसी प्रकार बेलवनिया, सेमरी बाघराय, भलुहा, भौंरहा, महादेव, बैदवार, छड़गड़ा, सलैया, कोसफरा कला, तराव समेत तीन दर्जन समितियों का कुल मिलाकर तकरीबन 80 लाख रुपए के आसपास बकाया है। लेकिन एक भी पैसे किसी को कोई भुगतान नहीं मिलने के कारण सभी समितियों के सचिव व दूध देने वाले किसान भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं।

आईजीआरएस व उच्चाधिकारियों से शिकायत करने पर पराग डेरी के जिम्मेदारों के द्वारा झूठी रिपोर्ट लगा दी जाती है। यह बताया जाता है कि शासन से जिस तरीके से पैसे का भुगतान किया जाता है। उसी तरीके से दूध देने वाले किसानों को भी भुगतान किया जाता है। ऑफिस में बैठ कर मनमाने तरीके से शिकायतों का निस्तारण कर दिया जाता है।

उदित नारायण सिंह
बीएमसी संचालक नगई का पूरा

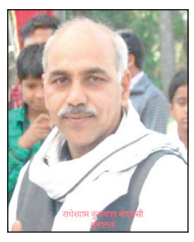

6 महीने से लगातार पराग डेयरी के ऑफिस का चक्कर काट रहा हूं चार लाख रुपए मेरा खुद बकाया है। एक भी पैसे न मिलने से जहां किसान समितियों पर झगड़ा कर रहे हैं वही वही सचिव काफी परेशान हैं जिम्मेदार है कि उदासीन बने हुए हैं।

राधेश्याम कुशवाहा
बीएमसी संचालक नटवा बरनपुर

6 महीने से पैसा न मिल पाने के कारण दूध देने वाले किसान जीना मुहाल कर दिए हैं। लगातार पराग डेरी की शिकायत की जा रही है। लेकिन सक्षम अधिकारी है कि कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। जिससे समितियों के सचिव अब आत्महत्या के लिए मजबूर होंगे।

छोटू मौर्य
समिति संचालक बड़ोखरा

6 महीने से शासन से पैसा नहीं मिल रहा है। जिससे समितियों एवं बीएमसी संचालकों का पैसा बकाया हो गया है। जैसे ही शासन की ओर से जिला योजना के द्वारा पैसा उपलब्ध कराया जाएगा। समितियों एवं बीएमसी संचालकों के बकाए पैसे का भुगतान किया जाएगा।

एके शुक्ला (जीएम)
पराग डेरी प्रयागराज

न्यूज झरोखा

शिक्षक अभिभावक बैठक में विद्यालयो के विकास पर चर्चा

जारी। विकास खंड के सभी 97 परिषदीय और कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय में शनिवार को शासन के निदेर्शानुसार एक साथ अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था अधिक से अधिक बच्चों का प्रवेश कराने आज विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई अभिभावकों ने भी अपने विचार रखे। बैठक के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारीयों ने 45 विद्यालयों और ब्लाक एवं पंचायत के अधिकारियो ने 53 विद्यालयों का अनुश्रवन किया गया। उच्च प्राथमिक अकोढ़ा, उच्च प्राथमिक गौरा और प्राथमिक गौरा मे खंड विकास अधिकारी एवं प्राथमिक विद्यालय धरी, कुलमई, पड़ोखरा, माही और कुआँ मे खंड शिक्षा अधिकारी ने अनुश्रवन किया। राजापुर, दानपुर, करमा, बरौली, कुमीर्यान, बड़गोहना कलां, तिहईता, लहर पतेर, सेमरी ब और कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय ए आर पी शत्रुघ्न प्रसाद शुक्ल व देवरी, नौगवां, खिटिरिया, कैथा, गोंठी, मवैया और उमरी में ए आर पी अनुराग पाण्डेय,वारी बजहिया, सुखू का पूरा, बेलसारा, पटेल नगर, पड़ोखरा, भनॉरी, पंवर और पंवरी में ए आर पी अनिल कुमार सिंह, चिल्ली, हथिगनी, तेवरिया, उमरी तालुका पुरवा, चक घनश्याम दास, मझीगवां, सिटकहिआ में ए आर पी विनोद मल्ल ने अनुश्रवन किया ।

कुंदौरा महादेव धाम में लगने वाले सावन मेला की तैयारियों का एसडीएम एवं एसीपी हंडिया ने किया निरीक्षण

धनूपुर। श्री हरिहर धाम कुंदौरा महादेव प्रांगण में प्रति वर्ष सावन माह में एक महिने मेला लगता है लेकिन इस बार सावन दो महीने का है इसलिए दो महीने मेला चलेगा जिसमें भक्तों द्वारा भगवान को जलाभिषेक किया जाएगा।इस बार सावन माह 4 जुलाई से 31 अगस्त तक चलेगा जिसमें सावन का पहला सोमवार 10 जुलाई को पड़ रहा है इस बार सावन में आठ सोमवार पड़ने वाले हैं 10 के बाद 17 जुलाई, 24 और 31 जुलाई, 7 अगस्त, 14 अगस्त, 21 और 28 अगस्त को सोमवार पड़ रहा है।मेले की तैयारियों एवं कानून व्यवस्था का निरीक्षण करने के लिए शनिवार को एसडीएम हंडिया, एसीपी हंडिया, प्रभारी निरीक्षक सरायममरेज एवं अन्य अधिकारियों ने मेले की तैयारियों का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। सुरक्षा व्यवस्था हेतु थाना प्रभारी, उपनिरीक्षक गण, महिला पुरुष सिपाही एवं होम गार्ड के जवान तैनात किए जाएंगे। बैरिकेडिंग एवं सीसीटीवी का कार्य पूरा हो चुका है एवं अन्य कार्य रविवार तक पूर्ण कर लिए जाएंगे।इस अवसर पर सर्वधर्म समन्वय समिति के अध्यक्ष जवाहरलाल गौड़, विजय बहादुर सिंह यादव, सत्येंद्र पांडेय, भोला नाथ यादव, लाल बहादुर स्वतंत्र सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

समाधान दिवस में 8 शिकायतें मिली, 2 का निस्तारण

मेजा। शनिवार को समाधान दिवस में 8 शिकायतें आई, जिनमें से 2 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। बाकी शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए।एसीपी विमल किशोर मिश्र व नवागत तहसीलदार मेजा नीलम उपाध्याय ने शिकायतें सुनी।सर्वाधिक शिकायत राजस्व विभाग से संबंधित रहीं। कुल 8 शिकायती पत्र प्रभारी अधिकारियों के समक्ष आए जिनमें से 2 शिकायतों का ही मौके पर निस्तारण किया गया। बाकी शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए। पुरानी लंबित शिकायतों के निस्तारण की संस्तुति भी की गई। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक मेजा राजेश उपाध्याय,नायब तहसीलदार,राजस्व निरीक्षक व लेखपाल मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकताओं ने पत्रक देकर किया जनसंपर्क

सहसों। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर सेवा सुशासन के नौ वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों को बताते हुए लोगों को पत्रक सौंप कर जनसंपर्क किया। इसी प्रकार सहसों मंडल के बेरुई ग्राम सभा में भाजपा नेता जयप्रकाश द्विवेदी की अगुवाई में लोगों से जनसंपर्क कर महिलाओं, किसानों, मजदूरों तथा गरीब तबके के लोगों को सरकार द्वारा दी गई जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए भाजपा की नीतियों से लोगों को अवगत कराया। इस अवसर पर सेवा सुशासन के नौ वर्ष पूर्ण होने पर किए गए कार्यों का पत्रक भी सौंपा गया। इस मौके पर मंडल के प्रभारी मृगेंद्र सिंह, राजधर द्विवेदी, पवन शुक्ला, शाश्वत अशोक तिवारी, रमन भारतीय, त्रिभुवन सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार की गिनाई उपलब्धियां

मेजा रोड। महा जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपाइयों द्वारा यमुनापार के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर घर-घर जाकर जन-जन से संपर्क करते हुए भाजपा के केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाते हुए संगठन के कार्यों को पूरा कर रहे है। इसी क्रम में भाजपा नेता संगम मिश्र संघ द्वारा आयोजित गुरु दक्षिणा कार्यक्रम में सम्मिलित होने के बाद शुक्रवार को मेजारोड में व्यापारियों एवं ग्रामीणों के बीच जनसंपर्क करते हुए सरकार के योजनाओं का पत्रक वितरित किया।

सांसद सीमा द्विवेदी के प्रयास से गरियांव बाजार में लगा ट्रांसफार्मर

जंघई। गरियांव बाजार का ट्रांसफार्मर विगत 10 दिनों से जला हुआ था जिसके कारण आसपास गांव के लोगों को इस भीषण गर्मी में भारी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा था। बिजली विभाग के लोगों ने बताया कि ट्रांसफार्मर उपलब्ध नहीं है एवं उसकी लंबी वेटिंग है। ग्रामीणों को इस भीषण उमस भरी गर्मी से परेशान देखकर एवं किसानों को सिंचाई में हो रही दिक्कत को देखते हुए गरियांव के प्रधान रमेश प्रताप सिंह ने राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी को फोन पर ट्रांसफार्मर जलने की सूचना दिया तथा अबिलंब नया ट्रांसफार्मर लगवाने का अनुरोध किया जिसका संज्ञान लेते हुए सांसद ने तत्काल उच्चाधिकारियों से वार्ता करके ट्रांसफार्मर को लगवाया जिससे क्षेत्रीय जनों में हर्ष व्याप्त है ग्रामीणों ने सांसद एवं प्रधान का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

घूरपुर में तालाब में डुबोकर पत्नी की कर दी हत्या, पति गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। घूरपुर थाना क्षेत्र के करमा पुलिस चौकी क्षेत्र के बरौली गांव के पास शनिवार को एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को तालाब में डुबोकर उसकी हत्या कर दिया। बुजुआ सुआर नारीबारी का मोहम्मद आरिफ अपनी पत्नी तराना बानों के साथ शनिवार को बरौली स्थित मजार पर आया था। काफी देर तक दोनों मजार पर बैठे रहे। अचानक दोनों में कुछ कहासुनी हो गयी और आरिफ तराना को पकड़कर पास के गहरे तालाब में कूद गया। तालाब के अंदर वह तराना को डुबो डुबोकर मारने लगा। तालाब में हो रही इस घटना को आने जाने वालों ने देखा तो वहां भीड़ जमा हो गई। किसी ने करमा चौकी पुलिस को सूचना दिया। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज उमाशंकर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। तालाब से बाहर निकलने पर दोनों को तुरंत इलाज के लिए सीएचसी जसरा ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने तराना को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसके शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपी आरिफ को हिरासत में ले लिया गया है और पूंछताछ की जा रही है।मोहम्मद आरिफ की पत्नी तराना का करछना के करेहा गांव में मायका था। वह पिछले कुछ दिनों से मायके में ही रह रही थी। आरिफ शनिवार सुबह अपने ससुराल गया था औ? पत्नी को बरौली लेकर आया था। सूचना पर पुलिस चौकी आये परिजनों ने बताया कि वह नशेड़ी था और शराब पीकर आये दिन पत्नी को मारता पीटता रहता था। कुछ दिन पहले पति की हरकतों से तंग आकर अपने मायके आ गई थी। मृतका के चार बेटे व एक बेटी है।

कोटेदारों पर शासन प्रशासन का नहीं लग पा रहा अंकुश, कम तौलने में लगे हुए हैं

मऊआइमा। मऊआइमा क्षेत्र के कोटेदारों पर आज तक शासन प्रशासन अंकुश नहीं लगा सके। बेधड़क कम तौलने में तल्लीन हैं। उपभोक्ताओं के बोलने पर सीधा जवाब होता है कि लेना हो तो लो वरना भाग जाओ।उपभोक्ताओं में रोष व्याप्त है। मऊआइमा क्षेत्र के कोटेदारों पर कम तौलने का आरोप अरसों से लगता चला आ रहा है। शासन प्रशासन से की गयी अब तक सारी शिकायतें नक्कार खाने में तू ती की मानिनद बन गई है।बताया गया है कि एक यूनिट पर पांच किलों अनाज देने का प्रावधान है।आरोप है कि यदि अगर कोई चार यूनिट अनाज लेता है तो वह सतरह से अठठारह के बीच ही निकलता है। इस घटतौली से उपभोक्ताओं द्वारा कोटेदार से जब कहते हैं तो कोटेदारों का उत्तर होता है कि लेना हो तो लो वरना भाग जाओ। कोटेदारों के इस रवैए से उपभोक्ता आजिज आ चुके हैं। उधर कोटेदारों ने नाम न छापने की शर्त पर बताए कि जब वह गोदाम से अनाज उठाते हैं तो पचास किलो की कटटी में पैंतालीस किलो निकलता है। ऊपर से रिश्वत भी देनी पडती है। कोटेदारों का आरोप है कि विभागीय अधिकारी हर उठान पर दक्षिणा मांगते हैं। न देने पर उनका उत्पीड़न किया जाता है। वह मजबूरी में चोरी करते हैं।

नवागत तहसीलदार ने पद भार संभाला

अखंड भारत संदेश

मेजा। शनिवार को नीलम उपाध्याय मेजा के नए तहसीलदार के रूप कार्यभार संभाला।कार्यभार संभालते ही अपनी जवाबदेही के प्रति काफी सक्रिय रूप से काम करते हुए दिखाई दीं।उन्होंने शनिवार को समाधान दिवस में फरियादियों की फरियाद बखूबी सुना और संबंधित को निस्तारण के निर्देश दिए।इससे पूर्व पद भार संभालते ही राजस्व कर्मियों के साथ बैठक कर शिष्टाचार मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि मेजा के पूर्व तहसीलदार विशाल शर्मा के बरेली जाने के बाद से ये पद रिक्त था। लोगो को नए तहसीलदार की बेसब्री से प्रतीक्षा थी।अब मेजा में नई महिला तहसीलदार से अधिवक्ताओं व राजस्व कर्मियों के सहयोग से बेहतर समन्वय के साथ वादकारियों व पीड़ितों को न्याय मिलेगा।मूल रूप से जौनपुर निवासी बेदाग छवि वाली श्रीमती उपाध्याय इससे पहले वाराणसी और गाजीपुर में बेहतरीन कार्य कर चुकी हैं।श्रीमती उपाध्याय ने कहा कि सभी के सहयोग से विकास और राजस्व के साथ तहसील से जुड़े मामलो को प्रभावित करने वाली गति मिलेगी।उन्होंने कहा कि राजस्व के मामलों को सभी के सहयोग से समय सीमा में पूरा करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।उन्होंने कहा कि इसके पहले गाजीपुर के चखनिया में तहसीलदार रह चुकी हूँ। वहाँ भी लोगों और अधिकारियों का मुझे अच्छा सहयोग मिला।मेजा मे भी मेरी अपेक्षा है सभी लोग पूरे समन्वय के साथ निष्पक्ष कार्य करेंगे और मै भी पूरी लगन,निष्ठा,ईमानदारी और न्याय संगत पूर्ण बेहतर कार्य करने का प्रयास करूंगी।

सपा की प्रदेश उपाध्यक्ष बनीं अनीता श्रीवास्तव, लोगों ने दी बधाई

अखंड भारत संदेश

सहसों। समाजवादी पार्टी के प्रदेश नेतृत्व एवं प्रदेश अध्यक्ष द्वारा प्रयागराज जिले की भोपतपुर सहसों निवासिनी अनीता श्रीवास्तव को सपा महिला सभा की प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर क्षेत्रीय कार्यकताओं एवं समाजसेवियों में हर्ष का माहौल है। इस खुशी में कार्यकताओं सहित क्षेत्र के संभ्रांत लोगों ने उनके आवास पर पहुंचकर बधाई दी। इस मौके पर युवा डेवलपमेंट वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश केसरवानी के नेतृत्व में लोगों ने अनीता श्रीवास्तव को बधाई देते हुए कहा कि क्षेत्र के लिए बड़े ही हर्ष की बात है कि नारी सशक्तिकरण के चलते महिलाएं भी राजनैतिक क्षेत्र में अपने आप को जोरदारी से स्थापित कर रही हैं। इस अवसर पर नवनियुक्त सपा प्रदेश उपाध्यक्ष महिला सभा अनीता श्रीवास्तव ने कहा कि हम आभारी हैं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव तथा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल और समाजवादी महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष बड़ी बहन रीबू श्रीवास्तव का जिन्होंने मुझ जैसे कार्यकर्ता को इतना बड़ा दायित्व पार्टी एवं संगठन की जिम्मेदारी दी है जिसे हम लोग कड़ी मेहनत और लगन के साथ पार्टी को मजबूत करेंगे। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से महेन्द्र श्रीवास्तव, लकी श्रीवास्तव, गोलू श्रीवास्तव, बच्चा यादव, आसाराम यादव, राजू यादव, रचना केसरवानी सहित तमाम पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धनूपुर में अभिभावक अध्यापक बैठक का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। महानिदेशक स्कूल शिक्षा के आदेशानुसार शानिवार को पूरे विकास खण्ड के परिषदीय विद्यालयो में पीटीएम बैठक का आयोजन खण्ड शिक्षा अधिकारी धनूपुर डॉ प्रभा शंकर पांडेय के अध्यक्षता में प्रातः 10 से 12 बजे तक आहूत की गई। उक्त बैठक हेतु मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज ने जनपद के सभी खण्ड विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी व खण्ड शिक्षा अधिकारी को सह नोडल अधिकारी नामित किया गया था। उपरोक्त बैठक हेतु डॉ पाण्डेय ने ब्लॉक के सभी एआरपी की न्यायपंचायत बार अनुश्रवण हेतु ड्यूटी लगाई थी। बैठक में नवीन नामांकन, बच्चों का स्कूल में ठहराव, निपुण भारत, डी बीटी, ऑपरेशन कायाकल्प, शारदा अभियान आदि बिन्दुवों पर चर्चा एवं परिचर्चा की गई। उक्त उत्सव के अनुश्रवण के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी धनूपुर प्राथमिक विद्यालय धनूपुर में उपस्थित रहे ।सभी विद्यालयों के बैठक में अभिभावक, एसएमसी के सदस्य आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रा.वि. मनू का पूरा में शिक्षक अभिभावक का बैठक संपन्न

सिरसा। शनिवार को ब्लाक उरुवा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मनू का पूरा में शिक्षक अभिभावक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बच्चों की गुणवत्तापरक शिक्षा पर दिया जोर दिया गया। अभिभावकों से अपील की गई वे बच्चों को नियमित स्कूल भेजें। बैठक को प्रधानाचार्य ने सम्बोधित करते हुए कहा कि बच्चे देश के उज्ज्वल भविष्य हैं। उन्होंने बताया कि "प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में योगी सरकार की मंशा और नीतियों के अनुरूप ग्राम पंचायतों द्वारा कायाकल्प के शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराने का लक्ष्य निर्धारित है। प्रधानाचार्य ने कहा कि इस मामले में प्रधान की प्रशंसा की जानी चाहिए कि उनके द्वारा प्राथमिक और उच्च प्राथमिक दोनों विद्यालयों में कायाकल्प के निर्धारित 19 पैरामीटर्स की अवस्थापना और निर्माण के अतिरिक्त भी आवश्यक सभी निर्माण समयान्तर्गत पूर्ण करा लिये गये हैं। बैठक में बच्चों की गुणवत्तापरक शिक्षा पर विशेष रुप से जोर दिया गया। और बैठक के चर्चा के मुख्य एनबी बिंदु 1, बच्चों के नामांकन ,उपस्थिति एवं ठहराव के संबंध में 2, डीबीटी के संबंध में 3,निपुल भारत पर चर्चा 4, ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत मूलभूत सुविधाओं की जानकारी एवं चर्चा 5,आउट ऑफ स्कूल बच्चों हेतु शारदा कार्यक्रम 6,दिव्यांग बच्चों हेतु समर्थ कार्यक्रम 7 ,विद्यालय प्रबंध समिति पर चर्चा बैठक में विद्यालय के अध्यापकों सहित दर्जनों अभिभावक मौजूद रहे।

बिजली विभाग के लापरवाही का नतीजा तार टकराया तो भड़क उठी चिंगारी

अखंड भारत संदेश

सिरसा। मेजा क्षेत्र में बिजली विभाग के जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण अमिलिया कलां में शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे जर्जर हो चुकी एलटी लाइन का तार अचानक टूटकर बीच सड़क पर गिर गया । सड़क भी ऐसी जिससे गांव वालों का 24 घण्टे आवागमन होता है।सुबह हल्की बारिश होने के कारण गिरे हुए सप्लाई के तारों में करंट दौड़ने के कारण आपस में टकराते ही चिंगारी व लपट निकलने लगी। गनीमत रही कि इसकी चपेट में कोई वाहन व नागरिक नहीं आया अन्यथा एक बड़ा हादसा हो सकता था। सड़क पर टूट कर गिरे बिजली के तारों से गांव के इस मुख्य मार्ग पर अफरा तफरी मच गई। घटना की जानकारी होते ही मौके पर पहुंचे प्रधान पुत्र सुशील आदिवासी ने टूटे तार में प्रवाहित बिजली आपूर्ति को बंद कराया। तब जाकर लोगों ने चैन की सांस आई ली। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि उक्त जर्जर तार और कई ध्वस्त हो चुके बिजली के पोल की शिकायत कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों से ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से किया गया है। मगर मिलता है सिर्फ कोरा आश्वाशन। जिससे आज बड़ा हादसा होते होते बचा। अगर बिजली विभाग का ऐसा ही रवैया रहा तो किसी दिन बड़ा हादसा हो जायेगा नही पहुंचा था। गौर किया जाय तो बिजली विभाग के लापरवाही से आएदिन कोई न कोई घटना घटती रहती हैं। बिजली के तारों की समस्या हो या बिजली पोल की समस्या हो हर गांव में कहि-कहि विजली के तार इंस्पायर करते हुए और लटकते हुए दिखाई देगा और यही हाल बिजली के खम्भे का दशा हैं टेढ़ा, तिरछा और एक ओर लटकता दिखाई देगा। जिससे आये दिन कहि न कही कोई न कोई घटना घटित होता रहता हैं। जिसका संपूर्ण जिम्मेदा बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों का है।

जोधी गांव विकास से कोसो दूर,गांव के मुख्य मार्ग पर चलना हुआ दूभर, जिम्मेदार मौन

कच्चे रास्ते से ग्रामीणों का आनाजाना, इंटरलॉकिंग कोसों दूर

लालापुर। क्षेत्र के विकास खण्ड शंकरगढ़ अंतर्गत जोधी गांव में आज भी मुख्य रास्ता को इंटरलॉकिंग नही किया गया,जिससे ग्रामीणों को बारिश में अपने दरवाजे से लेकर मुख्य सड़क पर जाने से कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। इस रास्ते को लेकर ग्रामीणों ने कई बार तहसील समाधान दिवस पर शिकायत किया लेकिन ट्राली दो ट्राली मिट्टी डालकर इति कर दिया। ब्लाक शंकरगढ़ अंतर्गत सोनवै डाँडी,के मजरा जोधी गांव को मुख्य सड़क को जोड़ने वाला लगभग 150 मीटर आज भी सौन्दरी करण से कोसो दूर है जिस गांव में बसा होता है ग्राम प्रधान उसी गांव का सबसे ज्यादा विकास है।बाकी मजरा उपेक्षा के शिकार होते है।इस गांव को न ही किसी जनप्रतिनिध ने ध्यान दिया न ही ग्राम प्रधान,आखिर सवाल ए उठता है कि इस गांव के मुख्य रास्ते को इंटरलॉकिंग व नाली क्यो नही बनाई गई।ग्रामीण गुड्डू पाण्डेय, बाबू जी यादव,त्रिवेणी पाण्डेय का कहना है इस रास्ते को बनाने में जनप्रतिनिधियों से लेकर सम्बंधित अधिकारी आज तक अनदेखी किए,अगर सही ढंग से ग्राम सचिव व ग्राम प्रधान की विकास की जांच कराई जाय तो सायद इनकी जांच रिपोट में सिर्फ कागजो में विकास जरूर हुआ होगा। इस बाबत खण्ड विकास अधिकारी शंकरगढ़ रामविलास राय का कहना है कि रास्ते मे किसी प्रकार का बिवाद नही है तो जरूर बन जाएगा।

दुराचारियों की गिरफ्तारी को लेकर पीड़िता ने मुख्यमंत्री सहित तमाम अधिकारियों को भेजा शिकायतीपत्र

17 जनवरी को पति के गैर मौजूदगी में तीन युवकों ने विवाहिता के साथ किया था दुष्कर्म

मऊआइमा। दुराचार की पीडिता ने मुख्यमंत्री सहित तमामअधिकारियों को शिकायतीपत्र देकर गिरफ्तारी की मांग की है। तीन युवकों के खिलाफ दर्ज है मुकदमा आरोपियों द्वारा दी जा रही पीडिता को मुकदमा वापस लेने की धमकी से भयभीत है परिवार। मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सुलतानपुर खास निवासी एक विवाहिता का आरोप है कि 17 जनवरी को उसका पति दर्शन करने बाहर गया था। आरोप है कि तभी तीन युवक आ कर पहले उसके साथ छेडखानी किए फिर सामूहिक दुराचार किए। पीडिता पति के आने के बाद आप बीती बतायी तो वह थाने लेकर गया। जहां एक नामजद दो अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। डाक्टरी चेकअप, न्यायालय में कलमबंद बयान के बाद के बाद भी पीडाता का आरोप है कि मुल्जिमानों की गिरफ्तारी नहीं की गयी। पीडिता का कथन है कि आए दिन अभियुक्तों द्वारा मुकदमा वापस लेने की धमकी दी जा रही है और न लेने पर पति की हत्या की भी धमकी दी जा रही है। जिससे उसका पति सदमे में चला गया है। वह डाक्टरों के यहां पति का इलाज करा रही है। पीडिता ने मुख्यमंत्री, डीजीपी, महिला आयोग सहित जिले के तमाम अधिकारियों को रजिस्टर डाक द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शिकायतीपत्र भेजी है।

खबर संक्षेप

10 लाख रंगदारी मांगने में अतीक के शूटर तोता समेत पांच नामजद

प्रयागराज। अतीक अहमद के शूटर जुल्फिकार उर्फ तोता समेत पांच पर धूमनगंज थाने में 10 लाख रंगदारी मांगने में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रॉपर्टी डीलर मो. परवेज का आरोप है कि तोता का नाम लेकर चार गुर्गों ने उससे रंगदारी मांगी। डरा धमकाकर 50 हजार रुपये भी ले लिए।चकिया, कसारी मसारी निवासी परवेज ने पुलिस को बताया कि 25 अप्रैल को वह अपनी बहन के घर गया था। रात आठ बजे आते वक्त रास्ते में अकरम, अपने भाई आजम, असलम निवासी अहमदपुर असरौली हालपता चकिया कसारी मसारी व फैजान ने उसे रोककर गालीगलौज शुरू कर दी। अकरम व फैजान ने कहा कि तुम्हें यहां रहना है तो 10 लाख रुपये का इंतजाम करो।इसके बाद फैजान ने असलहा निकालकर सटा दिया। दहशत के चलते उसने जेब में रखे 50 हजार रुपये तत्काल उसे दे दिए। इस पर आरोपियों ने 24 घंटे में रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। जाते वक्त यह भी कहा कि यह सारे काम जुल्फिकार उर्फ तोता भाई के कहने पर हो रहा है। एसीपी धूमनगंज वरुण कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच पड़ताल की जा रही है।

महाकुंभ 2025 की शाही स्नान की तिथियों का एलान, 45 दिनों का होगा महाकुंभ

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के साथ मेला प्रशासन ने शनिवार को सर्व सम्मति से महाकुंभ-2025 के शाही स्नान की तिथियों का एलान किया। 13 जनवरी 25 को पौष पूर्णिमा पर प्रथम शाही स्नान के साथ ही 45 दिवसीय दिव्य एवं भव्य महाकुंभ का श्रीगणेश होगा। कमिश्नरी के गांधी सभागार में दिन के 11 बजे शुरू हुई अखाड़ा परिषद के साथ प्रशासन की पहली बैठक में सभी 13 अखाड़ों के प्रतिनिधि शामिल हुए।साधु-संतों के साथ ज्ञान की गहरी जड़ों के रूप में संगम तट पर स्थित अक्षयवट, पातालपुरी, सरस्वती कूप के साथ भरद्वाज आश्रम और द्वादश माधव मंदिर कॉरिडोर के विकास की परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। बताया गया कि लैंड स्केपिंग, साइनेज के साथ ही तीर्थों के प्रवेश द्वारों का भी निर्माण कराया जा रहा है।इसके तहत प्रमुख मंदिरों का भी विकास प्रस्तावित है। जिसमें नागवासुकि मंदिर, अलोपशंकरी देवी मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, पंडिला महादेव मंदिर, कोटेश्वर महादेव मंदिर, कल्याणी देवी मंदिर तथा तक्षक तीर्थ भी शामिल हैं। इसके अलावा विकास परियोजनाओं की प्रगति की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि इनर रिंग रोड, प्रयागराज-रायबरेली-लखनऊ मार्ग, प्रयागराज-अयोध्या तथा प्रयागराज- बांदा राजमार्ग पर पड़ने वाली रेलवे क्रासिंग जसरा में बाईपास के निर्माण के साथ एयरपोर्ट के विस्तारीकरण और सूबेदारगंज में रेल ओवर ब्रिज का भी निर्माण प्रस्तावित है।

जगदगुरुओं के नाम पर मुहल्लों का नामकरण करने का अखाड़ा परिषद ने दिया सुझाव : अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि ने राम गमन मार्ग का सूचक के रूप में भी परिलक्षित करने, महर्षि भारद्वाज द्वारा किए गए कार्यों का और प्रचार-प्रसार करने, शंकराचार्य द्वार बनाने, वेणी माधव की परिक्रमा की व्यवस्था के साथ मोहल्लों का नामकरण जगदगुरुओं के नाम पर करने का प्रस्ताव दिया। इस पर अफसरों ने अमल करने का भरोसा दिलाया।महानिवार्णी अखाड़ा के यमुनापुरी ने पेशवाई मार्गों से लटकते हुए विद्युत तारों को हटाने का सुझाव दिया। इसी क्रम में अन्य संतों ने तीर्थ यात्रियों के लिए जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने संतों से महाकुंभ की सफलता के लिए आशीर्वाद और सहयोग मांगा। इस मौके पर डीएम संजय खत्री,पुलिस आयुक्त रमित शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक चंद्र प्रकाश, अपर पुलिस आयुक्त पवन कुमार, पीडीए के उपाध्यक्ष अरविंद चौहान उपस्थित थे।

महाकुम्भ 2025 : मुख्य स्नान पर्वों की तिथियां : प्रथम शाही स्नान- पौष पूर्णिमा 13 जनवरी, द्वितीय शाही स्नान- मकर संक्रांति 14 जनवरी, तृतीय शाही स्नान- मौनी अमावस्या 29 जनवरी,चतुर्थ शाही स्नान-वसंत पंचमी 03 फरवरी,पंचम शाही स्नान-माघी पूर्णिमा 12 फरवरी, षष्ठम शाही स्नान- महाशिवरात्रि 26 फरवरी।

रेस्टोरेंट में मटन में पीस कम होने को लेकर मारपीट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शाहगंज थाना अंतर्गत रेलवे जंक्शन स्टेशन के समीप एक रेस्टोरेंट में मटन खाने पहुंचे युवकों की वहां के स्टाफ से झड़प हो गई। देखते ही देखते मारपीट में तब्दील हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पहले युवकों ने कर्मचारियों को पीटा और फिर कर्मचारियों ने एकत्रित होकर युवकों पर हमला बोल दिया। 3 लोगों को पकड़कर उनकी सड़क पर जमकर पिटाई की गई। उनके 2 साथी मौके से भाग निकले हैं। मारपीट कर रहे 5 लोगों को पुलिस अपने साथ थाने ले गई। रे पंजाब रेस्टोरेंट शाहगंज थाना क्षेत्र के रेलवे जंक्शन स्टेशन के समीप स्थित है। शाम को वहां 5 लड़के खाना-खाने के लिए पहुंचे थे। खाने में उन्होंने मटन रोटी का आर्डर दिया था। वेटर खाना लाकर उनके टेबल पर रखा, तो मटन के पीस कम होने की बात करते हुए उन युवकों ने कर्मचारियों से अभद्रता करनी शुरू कर दी। उनका कहना था कि मटन में पीस कम दिए गए हैं। वेटर का कहना था कि हाफ प्लेट में इतने ही मिलते हैं। बात बढ़ती गई और रेस्टोरेंट्स कर्मचारियों के बीच मारपीट शुरू हो गई। जब कर्मचारी लोगों पर भारी पड़ने लगी, तो युवक वहां से भागने लगे। इस दौरान दो युवक तो मौके से भाग गए। लेकिन 3 को वहां के कर्मचारियों ने सड़क पर पकड़ लिया। सड़क पर लात घूसों से जमकर पिटाई की। तीन में से दो युवक हाथ जोड़कर उनसे माफी मांगते रहे, गिडगिड़ाते रहे। लेकिन कर्मचारी उन्हें पीटते रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस मौके पर मारपीट कर रहे तीन युवकों होटल के कर्मचारियों को पकड़कर थाने ले गई। शाहगंज थाना प्रभारी मुदित राय ने बताया कि मारपीट करने वालों को थाने लाया गया है। दोनों पक्ष आपस में सुलह समझौते की बात कर रहे हैं। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज झरोखा

जिलाधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक ने आरओबी का किया निरीक्षण

झूंसी। वाराणसी प्रयागराज मार्ग पर अंदावा में बन रहा आरओबी कांवरियों की राह में मुसीबत पैदा कर रहा है। आनन-फानन में बुधवार को आरओबी का स्लैब तो डाल दिया गया पर अभी भी वह पूरी तरह आवागमन लायक नहीं हो पाया है। शनिवार को जिलाधिकारी संजय खत्री व अपर पुलिस कमिश्नर पवन कुमार ने आरओबी का निरीक्षण कर मातहतो को जल्द से जल्द पुल को आवागमन लायक बनाने निर्देश दिया। वाराणसी प्रयागराज रूट पर रेल दोहरीकरण के बाद झूंसी के अंदावा आरओबी का निर्माण कार्य करीब एक साल से चल रहा है। समय सीमा पूरा होने के बाद भी आरओबी का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। अब निमार्णाधीन आरओबी कांवरियों के मार्ग में बाधक बन कर खड़ा हो गया है। कावड़ यात्रा को देखते हुए निर्माण कार्य में लगी एजेंसी ने आनन-फानन में बुधवार को आरओबी का स्लैप ढाल दिया पर अभी 30 प्रतिशत काम बाकी है। वह लोगों के पैदल भी आने-जाने लायक नहीं बन पाया है। ऐसे में कांवड़ यात्रा को लेकर बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है। आपको बता दें कि आरओबी निर्माण की वजह से दक्षिणी लेन से ही आवागमन हो रहा है। अब सवाल यह है कि अगर आरओबी तैयार नहीं हो पाया तो कांवरिया किधर से गुजरेंगे।

श्री गणपति महोत्सव महिला मंडल की हुई बैठक

नैनी। नैनी श्री गणपति महोत्सव महिला मंडल की बैठक श्रमिक बस्ती नैनी मे आयोजित की गयी बैठक की अध्यक्षता रेखा श्रीवास्तव व संचालन ममता श्रीवास्तव ने किया बैठक मे सितंबर माह मे 19 सितंबर से 25 सितंबर तक चलने वाले 7 दिवसीय। श्री गणपति महोत्सव मे बढचढ कर हिस्सा लेने का निर्णय लिया गया। रेखा श्रीवास्तव ने बताया कि हम महिलाओ ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमो के माध्यम से श्री गणपति महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने का भी निर्णय लिया है। रंगोली ,गणपति पोस्टर, आरती थाल, मेहंदी, सुलेख ,सामान्य अध्ययन प्रतियोगिता के माध्यम से श्री गणपति जी की आराधना की जायेगी बैठक मे ज्योति महेश मंगरुलकर, सरोज सिंह, रिंकी गिरी मंजू तिवारी, सरोज सिंह(गंगोत्री नगर) चित्रा पांडे, मीरा सिंह, सुधा पांडे,ममता श्रीवास्तव, रेखा श्रीवास्तव, पुष्पा सिंह आदि उपस्थित रही।

प्रयागराज में चलती ट्रेनों में अवैध शराब बेचने वाले गिरफ्तार

प्रयागराज। पकड़े गए दोनों शराब तस्कार बिहार के रहने वाले हैं। चलती ट्रेनों में यात्रियों को अवैध शराब बेचने का धंधा चल रहा था। झोले में अवैध शराब लेकर चोरी से यात्रियों को बेचते थे, वह भी महंगे दाम्रों पर। इसका खुलासा तब हुआ जब जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म पर गश्त कर रही थी। दो शराब तस्कर को पकड़ा गया। इन दोनों के पास से 85 पेटी अवैध शराब भी बरामद पाए गए, जिसे जब्त कर लिया गया है। इस शराब की अनुमानित कीमत करीब 10 हजार रुपये बतायी जाती है। पूछताछ में इन लोगों ने स्वीकार किया कि वह चोरी छिपे ट्रेनों में यात्रियों को अवैध शराब बेचने का काम करते हैं। पुलिस की पूछताछ में अपना नाम मुन्ना सोनी पुत्र नाथू सोनी (उम्र 27 वर्ष) निवासी मनारी गादी लखमीनिया वार्ड नंबर 25, थाना बलिया जिला बेगूसराय बिहार बताया। पकड़े गए दूसरे अभियुक्त ने अपना नाम मंजिर कुमार वर्मा पुत्र फकीर चंद वर्मा (उम्र 30 वर्ष) निवासी ताल बंसीपुर पोस्ट डीघरी, थाना सूर्यगढ़ा, जिला लखीसराय बिहार बताया है। पकडे गये अभियुक्तों के विरुद्ध प्रयागराज जीआरपी थाना में प्रकरण पंजीकृत किया गया है। अभी अंदेशा है कि शराब बेचने के इस गिरोह में कुछ और लोग शामिल हो सकते हैं जो ट्रनों में अवैध रूप से शराब बेचने का काम करते हैं।

शमशाद को बनाया सपा अपलसंख्यक का यूपी उपाध्यक्ष

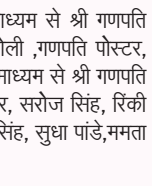

नैनी। नैनी समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने पत्र जारी कर नैनी गंजिया निवासी शमशाद अहमद को सपा अल्पसंख्यक सभा उत्तर प्रदेश का प्रदेश उपाध्यक्ष नामित किया है। शमशाद अहमद के प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये जाने पर उनके समर्थकों में खुशी की लहर है। पार्टी के कार्यकर्ताओ ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

नैनी आई टी आई में अप्रेंटिस शिप मेले का आयोजन

नैनी। नैनी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज के प्रधानाचार्य एस.के. श्रीवास्तव के अनुसार राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज में 10 जुलाई 2023 को प्रातः 10:30 से 3:30 तक राष्ट्रीय प्रधानमंत्री अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन होना सुनिश्चित किया गया है, जिसमें भारत की जानी-मानी कंपनियां प्रतिभाग कर रही हैं जैसे कि-टाटा मोटर्स लखनऊ, ठळढउ मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड प्रयागराज, आमदनी प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद, लावा अन्य लगभग लगभग 10 कंपनियां प्रतिभाग कर रही हैं जिसमें 500 पदों के लिए विभिन्न ट्रेडों में व्यवसायों की आवश्यकता है।

कूलर में पानी डालने समय करंट की चपेट में आने से रिटायर्ड शिक्षक की मौत

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा थाना क्षेत्र में कूलर में पानी डालने के दौरान करंट की चपेट में आने से बुजुर्ग बुरी तरह झुलस गया। आनन फानन में परिजन नजदीकी सीएचसी ले गए, लेकिन अस्पताल में इलाज के दौरान वृद्ध ने दम तोड़ दिया।मेजा थाना क्षेत्र के बिगहना गांव निवासी श्री नारायण तिवारी (82 वर्ष) सेवानिवृत्त शिक्षक थे। शनिवार दोपहर में घर में कूलर में बाल्टी से पानी डाल रहे थे। इस दौरान कूलर में करंट आ गया, जिसकी चपेट में आकर वह बुरी तरह झुलस गए। आनन-फानन में बेटे प्रकाश चंद तिवारी वृद्ध को लेकर रामनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।इलाज के दौरान अस्पताल में वृद्ध ने दम तोड़ दिया। इसकी सूचना जैसे ही वृद्ध के परिजनों को हुई को घर में कोहराम मच गया। उधर परिजन शव लेकर घर पहुंचे तो ग्रामीणों की भीड़ लग गई। रामनगर सीएचसी अधीक्षक डॉ नीरज सिंह पटेल ने कहा कि वृद्ध का इलाज चल रहा था। इसी दौरान उनकी मौत हो गई।

मारपीट कर टमाटर लूट लिया

झूंसी। सोने, चांदी, रुपए की लूट तो सबने सुनी होगी पर झूंसी में टमाटर की लूट का मामला प्रकाश में आया है पीड़ित ने मामले की लिखित शिकायत पुलिस की तो आरोपी परिवार के साथ फिर पीड़ित व्यापारी से गालीगलोज कर धमकी दी। कुसमीपुर निवासी संतोष देवी पत्नी बलिराज कुशवाहा अपने घर के बाहर सब्जी की दुकान लगाती हैं। आरोप है की शुक्रवार की शाम गांव का ही एक दबंग उसकी दुकान पर 10 रुपए का टमाटर लेने आया था पीड़िता ने बताया कि टमाटर 120 रुपए किलो है 10 रुपए में 100 ग्राम भी नहीं मिलेगा जिस पर वह भड़क गया और भद्दी भद्दी गालियां देने लगा। घर में मौजूद पीड़िता के परिवार के अन्य लोगों ने विरोध किया तो दबंग ने अपने परिवार के अन्य लोगों को भी बुला लिया आरोपियों ने प्रार्थिनी व उसके ससुर, बेटे को लाठी-डंडे से पीटकर 3 से 4 किलो टमाटर उठा ले गए। पीड़िता मामले की लिखित शिकायत लेकर झूंसी थाने पहुंची तो वहां मौजूद सिपाही ने तहरीर ही बदलवा दी पर कोई कार्यवाही नही की। शनिवार को आरोपियों को पुलिस से शिकायत की जानकारी मिली तो फिर प्रार्थिनी के घर पर चढ़ आए और गाली गलौज करने लगे प्रार्थिनी ने 112 पर मामले की सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस एक को पकड़ कर थाने ले गई।

24 घंटे के अन्दर अभियुक्तों की नहीं हुई गिरफ्तारी तो हो सकती है बड़ी वारदात

नही हुई कार्यवाही तो 11 जुलाई को थाने का होगा घेराव

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के शातिर व दबंग लोगो ने समाजसेवी व पदम के संस्थापक आईपी रामबृज को जान से मार देने की धमकी दिए जाने का मामला तूल पकड़ लिया है। उक्त मामले में समाजसेवी ने घूरपुर थाने में बृहस्पतिवार को ही लिखित तहरीर देकर आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है किन्तु प्रभारी निरीक्षक घूरपुर ने अभियुक्तगण के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की है। आईपी रामबृज ने बताया कि चौबीस घण्टे के अन्दर यदि अभियुक्तगण की गिरफ्तारी नहीं की गई तो अभियुक्तों द्वारा बड़ी बारदात होने की संभावना है। यदि सोमवार दस जुलाई तक कार्यवाही नही हुई तो बाध्य होकर ग्यारह जुलाई को थाने का घेराव किया जाएगा। जिसमे सैकड़ो अधिवक्ता और ग्रामीणों के उपस्थिति की संभावना है। गौरतलब है कि अट्ठाईस साल बाद यमुनापार की घूरपुर थानान्तर्गत स्थित ग्रामसभा दौना निवासी शिवपतिया पत्नी स्व. मोतीलाल को न्याय दिलाने व विकास खण्ड शंकरगढ़ स्थित भूमिहीन दलितों आदिवासियों में सैकड़ों बीघा जमीनों को नि:स्वार्थ भाव से आवासीय व कृषि कार्य हेतु पट्टा कराने तथा आदिवासी बाहुल्य पथरीले क्षेत्रो में सैकड़ों हैण्डपम्प प्रतिस्थापित कराने वाले पूर्वांचल दलित अधिकार मंच (पदम) के संस्थापक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता समाजसेवी आईपी रामबृज को पांच जुलाई की रात्रि लगभग 10.25 बजे नानबाबू पुत्र बनवारी लाल, धीरज पुत्र राकेश, चन्द्र दास उर्फ चन्दू पुत्र राजाराम और विनोद कुमार पुत्र कमलेश जो ग्रामसभा दौना, थाना-घूरपुर, जिला-प्रयागराज के ही निवासी है एकराय होकर उक्त गुट का सरगना मानबाबू पुत्र बनवारी लाल ने अपने मोबाइल नम्बर तथा अपने सहयोगी साथी धीरज पुत्र राकेश कुमार के मोबाइल नम्बर से आईपी रामबृज के मोबाइल नम्बर पर रंगदारी मांगने व जान से मारने की धमकी दिये जबकि अभियुक्तगण के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या-20 सन 2022 सरकार बनाम विनोद कुमार आदि अन्तर्गत धारा 147, 452, 323, 324 और 506 आईपीसी थाना घूरपुर, जिला प्रयागराज में पंजीकृत है जिसमे मुल्जिमानों की जमानत मुफ्त कराओ नहीं तो बतौर रंगदारी एक लाख रूपया अभियुक्तगण को जमानत के लिए मांग की गई और यदि ऐसा नहीं करने पर चारो लोग मिलकर आईपी रामबृज की जान से मार डालेंगे और यदि यमुनापार में कहीं भी दिखे तो बोटी-बोटी कर काट डालने और किसी को पता भी नहीं चलेगा। इस घटना की रिपोर्ट आईपी रामबृज ने तत्काल पुलिन सेवा के 112 नम्बर पर दिय और 06 जुलाई को प्रभारी निरीक्षक को लीखित तहरीर भी दिया किन्तु अभियुक्तगण के विरुद्ध अभीतक कोई कार्यवाही नहीं की गई।

सुपारी किलर चढ़ा एसटीएफ के हत्थे

झूंसी। एसटीएफ व झूंसी पुलिस ने शनिवार को एक सुपारी किलर को गिरफ्तार कर उसके पास से तमंचा बरामद कर जेल भेज दिया। पुलिस की माने तो सुपारी किलर एक महिला से उसके पति की हत्या की सुपारी लिया था महिला व उसके आशिक को पहले ही पुलिस जेल भेज चुकी है सुपारी लेने वाले दो आरोपी फरार थे। उमेश पाल मर्डर केस में लखनऊ की एसटीएफ छानबीन कर रही थी। इसी बीच सर्विलांस से पता चला कि गाजियाबाद में नौकरी करने वाले सुनील सिंह की सुपारी दी गई है एसटीएफ इंस्पेक्टर अंजनी सिंह की टीम ने छानबीन कर सुनील सिंह की पत्नी कविता और उसके प्रेमी सुरेंद्र सिंह को 12 मार्च को गिरफ्तार कर लिया। सुपारी लेने वाले उतराव थाना क्षेत्र के रहने वाले सुभाष और मनोज पासी फरार हो गए थे। फरार चल रहे मनोज पासी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया सुभाष अभी भी फरार है।

कार्यालय ग्राम पंचायत गड़ैया कला, वि. ख. जसरा, प्रयागराज

अल्पकालीन निविदा

पत्रांक: मेमो/ मनरेगा/नि/2023-24 दिनांक 08.07.2023

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना अन्तर्गत वर्ष 2022-23 में प्रस्तावित निम्नलिखित कार्यों हेतु सामग्री आपूर्ति पंजीकृत एवं अधिकृत विक्रेता से दिनांक 09-07-2023 से 27-07-2023 तक सायं 4:00 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। दिनांक 24-07-2023 को सायंकाल 4:30पर निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर निविदादाताओं एवं प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र0	कार्य का विवरण	योजना/ मद	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा मूल्य	धरोहर राशि	आपूर्ति कार्य की अवधि
1.	रीवा रोड से हनुमान मंदिर तक इण्टरलाकिंग कार्य	मनरेगा	4.00लाख	500	8000	2 माह
2.	गड़ैया कला में धोबिया तालाब में अमृत सरोवर का कार्य	मनरेगा	4.00 लाख	500	8000	2 माह

सामान्य शर्तें:- 1. कार्य की सम्पूर्ण जानकारी किसी भी कार्य दिवस में ग्राम विकास अधिकारी कार्यालय से ली जा सकती है। 2. निविदा दाता/कोटेशन दाता को समस्त रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र जीएसटी नम्बर के साथ रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र निविदा दाता/ कोटेशन के साथ संलग्न करना होगा। 3. निविदा धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत जमानत के रूप में एफ.डी.आर./एन.एस.सी. जमा करना होगा। 4. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय दिनांक 24.07.2023 तक पूर्वान्हन 12.00 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं। 5. किसी निविदा/कोटेशन को निरस्त करने का सर्वाधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। 6. सभी कार्यो के लिए अलग-अलग निविदा/कोटेशन स्वीकार्य की जायेगी। 7. सशर्त निविदा स्वीकार नही होगी। 8. सामग्री की मात्रा/धनराशि घट-बढ़ सकती है।

नोट-निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय गड़ैया कला से प्राप्त की जा सकती है एवं ग्राम पंचायत कार्यलय गड़ैया कला में समस्त निविदाएं भी खोली जायेगी।

शान्ती देवी (ग्राम प्रधान) ग्राम पंचायत गड़ैया कला वि. ख. जसरा, प्रयागराज

रामलाल ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी ग्राम पंचायत गड़ैया कला वि. ख. जसरा, प्रयागराज

कार्यालय ग्राम पंचायत पुरवाखास वि. ख. चाका प्रयागराज

पत्रांक: 4- मनरेगा/मटेरियल/टेण्डर-वित्तीय वर्ष 2023-24 दिनांक 08.07.2023

अल्पकालीन निविदा

ग्राम पंचायत पुरवाखास विकास खण्ड चाका प्रयागराज में वित्तीय वर्ष 2023-24 में मनरेगा योजनान्तर्गत सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। सीलबन्द निविदा दिनांक 09.07.2023 से 22.07.2023 तक ग्राम पंचायत कार्यालय में आमंत्रित की जाती है। निविदा उसी दिन दिनांक 22.07.2023 को सायं 4 बजे उपस्थिति फर्मो के समक्ष खोली जायेगी। निविदा स्वीकृत /अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में निहित होगा।

क्र0	परियोजना का नाम	सामग्री	लागत (लाख में)
1.	पुरवाखास में तालब नं0 262 का अमृत सरोवर निर्माण	ईट, सीमेंट, बालू आदि	8.39
2.	पुरवाखास में गाटा संख्या 604 पर खेल मैदान निर्माण	ईट, सीमेंट, बालू आदि	9.98
3.	गेद लाल के घर से जीवन लाल के घर तक इण्टरलाकिंग	ईट, सीमेंट, बालू आदि	
4.	अगम लाल के घर से घनश्याम के घर तक इण्टरलाकिंग	ईट, सीमेंट, बालू आदि	
5.	राम आसरे के घर से हथिगन पंचायत भवन तक इण्टरलाकिंग	ईट, सीमेंट, बालू आदि	
6.	बब्लू सिंह के घर से प्राथमिक विद्यालय तक इण्टरलाकिंग	ईट, सीमेंट, बालू आदि	
7.	राम कैलाश यादव के घर से सोहन लाल के घर तक इण्टरलाकिंग	ईट, सीमेंट, बालू आदि	

उपरोक्त विवरण के अनुसार कार्यो का आपूर्ति आदेश ग्राम पंचायत को प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कार्यवार पृथक-पृथक निर्गत किये जायेंगे। निविदा स्वीकृत व अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

उमाशंकर ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत पुरवाखास वि. ख. चाका, प्रयागराज।

सी.पी. सिंह तकनीकी सहायक ग्राम पंचायत पुरवाखास वि. ख. चाका, प्रयागराज।

आशीष कुमार ग्राम पंचायत अधिकारी ग्राम पंचायत पिपरांव वि. ख. चाका, प्रयागराज।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा मेले का हुआ औचक निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

थरवई। पाण्डेश्वर नाथ धाम जो प्रयागराज के पंचकोशी परिक्रमा का एक महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। जो प्रयागराज के प्रमुख तीर्थ स्थलों में पाण्डेश्वर नाथ धाम जो पड़िला धाम के नाम से भी जाना जाता है जो दूर - दूर तक इस मंदिर की ख्याति विख्यात है। मान्यता है कि यहाँ पांडवो द्वारा अज्ञातवास के दौरान भगवान शंकर का शिवलिंग दिखाई दिया था जो श्री कृष्ण कि सलाह पर इसकी स्थापना अपने वनवास काल के दौरान किया था। यह मंदिर पूर्ण रूप से पत्थरों से बनी है। भगवान शिव का प्रिय सावन का महीना मंगलवार से शुरू हो चुका है। इस बार सावन में अधिमास पड़ने से शिव भक्तों को चार की बजाए आठ सोमवार भोलेनाथ की पूजन-अर्चना के लिए मिलेंगे। ऐसे में दो महीनों तक शिवालयों में हर - हर महादेव के जयकारे गूजेंगे। इस बार सावन का पहला सोमवार 10 जुलाई को होगा। उसी क्रम में श्रावण के पड़ रहे पहले सोमवार जो माना जाता श्रद्धालुओं का तांता दर्शन के लिए सुबह भोर से ही उनका आवागमन शुरू हो जाता है जिसमें भारी संख्या में लोग मंदिर में आते रहते हैं। उसी क्रम में मेले में लोग दर्शन के उपरांत मेले का भी आनन्द लेते हैं। मंदिर व मेले में किसी प्रकार अव्यवस्था उत्पन्न न हो जिसके लिए शनिवार को डीसीपी गंगानगर अभिषेक भारती व एसीपी थरवई जंग बहादुर यादव प्रभारी निरीक्षक लोकेन्द्र त्रिपाठी पुलिस के साथ मेले का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा व दिए आवश्यक दिशा निर्देश। मंदिर प्रांगण में लगे सीसीटीवी, दर्शन करते समय भीड़ की समस्या ना उत्पन्न हो जिसके लिए जगह जगह पुलिस फोर्स की व्यवस्था, दो भाग में दर्शन के लिए व्यवस्था, पार्किंग की व्यवस्था, मेला क्षेत्र के प्रमुख - प्रमुख बिंदुओं पर किये गए बैरिकेटिंग की व्यवस्थाओं, मेले में बनाये गए कंट्रोल रूम, मेले में भीड़ न हो जिसके लिए गाड़ियों का रूट डायवर्जन, मंदिर परिसर व मुख्य मुख्य स्थानों पर सीसीटीवी की व्यवस्थाओं को लेकर जिससे भी प्रकार अप्रिय घटनायें न घट सकें, मेला क्षेत्र में लाइट की समुचित व्यवस्था, आने वाले कांवड़ियों को लेकर आदि बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी लेते हुए आवशयक दिशा निर्देश दिए गए। व मेले जगह - जगह पुलिस फोर्स लगाये जाने की समुचित व्यवस्था की गई जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्थाएं उत्पन्न न हो शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो। पाण्डेश्वर नाथधाम पहुंचकर डीसीपी गंगानगर ने भगवान शिव को पुष्प अर्पित कर उनके दर्शन किये जिसके उपरांत मेले का हुआ औचक निरीक्षण। मौके पर अखिलेश गिरि, जैतवारडीह महेंद्र गिरी मौजूद रहे।

घुइसरनाथ धाम में गंदगी तथा प्रबन्धों में खामियों पर चढ़ा डीएम व एसपी का पारा

औचक निरीक्षण में डीएम तथा एसपी ने मातहतो की कसी पेंच

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। डीएम तथा एसपी ने शनिवार को बाबा घुइसरनाथ धाम मे श्रावण तथा अधिमास मेले को लेकर प्रबन्धों का औचक निरीक्षण किया। डीएम सई घाट पर गंदगी तथा डाक बंगले मे बिजली के खुले तार देख भड़क उठे। वहीं एसपी भी सई घाट पर बल्ली व रस्सी के घेरे को केवल एक ही घाट पर देख नाराज हुए। अफसरो ने मातहतो को अगले सोमवार के पूर्व तक सभी प्रबन्धों को चुस्त दुरूस्त कराए जाने का अल्टीमेटम दिया।

जिलाधिकारी प्रकाशचंद्र श्रीवास्तव तथा एसपी सतपाल अंतिल दोपहर बाद एडीएम त्रिभुवन विश्वकर्मा के साथ अचानक बाबा धाम पहुंचे। डीएम तथा एसपी ने बाबा धाम स्थित निरीक्षण गृह में यहां पहुंचने वाले कांवड़िया श्रद्धालुओं के ठहरने तथा सुरक्षा से जुडे पहलुओं की समीक्षा की। एसडीएम उदयभान सिंह तथा सीओ रामसूरत सोनकर ने डीएम व एसपी को प्रशासनिक प्रबन्धों की जानकारियां दी। इसके बाद डीएम और एसपी परिसर में व्यवस्थाओं को देखने निकले। सई घाट तथा गंगा सागर घाट पर गंदगी देख डीएम प्रकाशचंद्र का पारा चढ़ आया। मातहतों ने बरसात का बहाना बताया तो डीएम और बिफर उठे। तभी एसपी सतपाल अंतिल की नजर सई के दूसरे घाट पर पड़ी। एसपी इस घाट पर सई के अंदर खतरे के निशान को लेकर रस्सी तथा बल्लियां न देखकर नाराज हो उठे। विद्युत पोलों की भी सुरक्षा डीएम तथा एसपी को नागवार गुजरी। डाक बंगले में बिजली के बोर्ड पर खुले तार देख भी डीएम ने जेई विद्युत को फटकार लगायी। बाबा धाम में डाक बंगले से प्रवेश द्वार तक की सड़क पर गडढे पटे न देख भी जिलाधिकारी को नाराजगी दे गयी। लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता को भी डीएम ने कडी नसीहत देते हुए कांवड़िया श्रद्धालुओं के गुजरने वाले मार्गो को अविलम्ब ठीक कराए जाने को कहा। एसपी ने सुरक्षा की दृष्टि से धाम की चैकी पर स्टाफ में बढोत्तरी करते हुए दस अतिरिक्त आरक्षियो की तैनाती के निर्देश दिये। एसपी ने धाम के मेले से जुडे सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति नियमित रूप से सुबह शाम जीडी पर अंकित कराए जाने को कहा। मंदिर परिसर में मंदिर कमेटी से सावन के सोमवार तथा विशेष पर्वो पर साफ सफाई को लेकर विशेष ध्यान देने के लिए डीएम ने निर्देश दिये। स्वास्थ्य शिविर में तैनात चिकित्सक व स्टाफ को डेज्स मे न देख भी डीएम नाराज हुए। उन्होनें धाम में एम्बुलेंस तथा फायर बिग्रेड को तैनात रखे जाने को कहा। गंगा सागर में लगातार साफ सफाई को लेकर भी डीएम व एसपी ने सतर्कता के निर्देश दिये। सांगीपुर ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह बब्लू द्वारा गंगा सागर में स्वच्छ जल प्रबंधन तथा प्रधान प्रतिनिधि आशुतोष मिश्र द्वारा पांच सीसी कैमरे लगवाए जाने की जानकारी पर डीएम तथा एसपी ने इसकी सराहना की। धाम में कांवड़िया श्रद्धालुओं के रैन बसेरा को लेकर सभी हाल खाली रखे जाने तथा मुख्य मंदिर के इर्द गिर्द दुकानों को हटवाए जाने को भी लेकर डीएम ने सीओ को कडे निर्देश दिये। धाम मे लगे सीसी कैमरों को चालू रखे जाने के साथ विशेष पर्वो पर लालगंज की तरफ से डभियार इण्टर कालेज के समीप तथा सांगीपुर रोड पर देउम चैराहे के पास बैरीकेटिंग कर वाहनों के प्रवेश को प्रतिबंधित करने का भी डीएम व एसपी ने मातहतों को निर्देश दिया। जिलाधिकारी प्रकाशचंद्र श्रीवास्तव तथा एसपी सतपाल अंतिल ने बाबा धाम पहुंचकर मत्था भी टेका। मंदिर के महन्त मयंक भाल गिरि व महन्त उमापति दास, पं. वीरेन्द्र तिवारी, पं. उपेन्द्र मिश्र ने डीएम तथा एसपी व एडीएम को बाबा घुइसरनाथ जी का चित्र एवं तुलसी की माला भेंटकर मेला कमेटी की ओर से सम्मानित किया। इस दौरान रूरल बार के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल, संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, प्रधान प्रतिनिधि आशुतोष मिश्र, टीपी यादव, विपिन शुक्ल, विजय मिश्र बॉबी, प्रभारी निरीक्षक सांगीपुर मनोज यादव, लालगंज कोतवाल अवन दीक्षित भी मौजूद रहे।

बाबा धाम में गंगा सागर में प्रबन्धों का आकलन करते डीएम व एसपी।

ब्लाक सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद लाभार्थीगण।

125 लाभार्थियों को ब्लाक सभागार कक्ष में दी गई गृह प्रवेश की चाभी

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। ब्लाक मुख्यालय के सभागार कक्ष मे शुक्रवार को पांच ग्राम पंचायत भददिव, रानीमऊ, तिवारीपुर हिनाहू व रामपुर गडौली के 125 लाभार्थियों को प्रधान मंत्री आवास की गृह प्रवेश की चाभी दी गई। जिसमे सभी लाभार्थी को आवास की चाभी मिलते ही चेहरे खुशी से खिल उठे उपस्थिति लोगो ने चाभी मिलने पर लाभार्थियों का तालिया बजाकर स्वागत किया। इस मौके पर खण्ड विकास अधिकारी प्रवीन कुमार श्रीवास्तव, सहायक विकास अधिकारी पंचायत संतोष कुमार शुक्ला, ब्लाक प्रमुख कालाकांकर रमेश सरोज, ब्यास कुमार मौर्य आई एस बी, सुनील कुमार सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण, मंदीप कुमार कंप्यूटर आपरेटर, श्रीनाथ प्रजापति लेखाकार, ग्राम पंचायत सचिव सुशील कुमार जायसवाल, आफताब अहमद, रविशंकर सोनकर, श्रीराम, राम प्रताप यादव, प्रभांशु पांडे, शशिकांत सिंह, अनुराग यादव, सुरेंद्र यादव, ग्राम प्रधान राकेश कुमार, संजय त्रिपाठी, कमलेश कुमार सहित ब्लाक के समस्त स्टॉफ मौजूद रहे।

पांच ग्राम पंचायतों के लाभार्थियों को मिला लाभ

महिला को मकान बनाने से रोक रहे हैं पड़ोसी आरोपी

पट्टी, प्रतापगढ़। जगदीशपुर गांव की रहने वाली कलावती देवी पत्नी राम शिरोमणि ने एक शिकायती पत्र देकर आरोपित किया है कि उनके पड़ोसी उसके कच्चे मकान की नींव पर फिर से निर्माण करना चाह रही है, लेकिन आरोपी पुराने मुकदमों में सुलह समझौते के लिए दबाव बनाकर बिना सुलह किए हुए निर्माण रोक रहे हैं और एलानिया धमकी दे रहे हैं। पीड़ित महिला ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र दिया है।

भाजपा महिला मोर्चा ने स्कूल पहुंचकर शिक्षकों व बच्चों से कराया मिसकाल

जिलाध्यक्ष रुचि केसरवानी व सारिका श्रीवास्तव पहुंची थीं सरोजनी इंटर कालेज

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में जनसम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा की अध्यक्षा रुचि केसरवानी व मीडिया प्रभारी सारिका श्रीवास्तव ने सरोजनी इंटर कालेज कुसुमी में पहुंचकर सभी षिक्षक-षिक्षिकाओं एवं बच्चों से मोदी के समर्थन में मिस काल कराया तथा देष व प्रदेष सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा हुई।

इस अवसर पर महिला मोर्चा की अध्यक्षा रुचि केसरवानी ने कहा कि प्रदेष में कानून व्यवस्था के सुधार होने से बच्चों में आत्मविष्वास बढ़ा है। वहीं मीडिया प्रभारी सारिका श्रीवास्तव ने भी देष व प्रदेष की सरकारों द्वारा किये गये जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी। प्रारंभ में स्कूल की प्रबंधिका लक्ष्मी शर्मा एवं प्रधानाचार्य डा0 राजेष भट्ट ने महिला मोर्चा की नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने बच्चों का मार्गदर्षन किया है। इस अवसर पर प्रबंधिका व प्रधानाचार्य के अलावा विनीत पाल, अषोक श्रीवास्तव, राजीव रतन, अमित कनौजिया, ऋषभ तिवारी, जय प्रकाष मिश्र, संयोग राय, आदित्य भट्ट, प्रेमलता, जागृति, महिमा, अखिलेष पाण्डेय ने भी मिस काल करके अपना समर्थन दिया।

सरोजनी इंटर कालेज में बच्चों के बीच भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारीगण।

समिति के अध्यक्ष ने बाबा बेलखरनाथ धाम में किया पूजन अर्चन

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। एक समिति के अध्यक्ष डॉक्टर डी एस गुप्ता ने क्षेत्र के पौराणिक स्थल तथा बाबा भोलेनाथ के प्रसिद्ध मंदिर बाबा बेलखरनाथ धाम में पूजन अर्चन किया और क्षेत्रवासियों को बधाई दिया। धार्मिक क्षेत्र में झुकाव के कारण हमेशा वह धर्म कर्म पर रुचि लेते हैं। सावन के महीने में बाबा बेलखरनाथ धाम का दर्शन करने के उपरांत उन्होंने कहा कि शिव सत्य है, शिव अनंत हैं, शिव अनादि हैं, शिव भगवंत हैं। सावन माह में सृष्टि की पूरी कमान भगवान शिव शंकर के हाथों में आ जाती है। वह ऐसे देव हैं जो सृष्टि के कल्याण के लिए विष का पान भी कर लेते है। सावन का पवित्र महीना हम सभी को शांतिपूर्वक और आपसी सामंजस्य के साथ रहने की सीख देता है तथा इस पवित्र महीने में हमें प्याज लहसुन इसके सेवन नहीं करना चाहिए तथा रुद्राक्ष तिल आदि का दान करना चाहिए। क्षेत्र वासियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि प्रभु देवों के देव महादेव सभी का कल्याण करें। दर्शन के दौरान उनके साथ अजय कुमार जायसवाल, रोहित जायसवाल, नगर अध्यक्ष अशोक कुमार जायसवाल सहित पट्टी नगर सहित आसपास के दो दर्जन से अधिक लोग मौजूद रहे।

रक्तदान करना एक पुनीत कार्यः डाक्टर सलिल

रोटरी क्लब प्रतापगढ़ सेंट्रल के ब्लड डोनेशन कैंप में बोले मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मेडिकल कालेज से संबद्ध राजा प्रताप बहादुर अस्पताल के ब्लड बैंक में शनिवार को रोटरी क्लब प्रतापगढ़ सेंट्रल के द्वारा आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ सलिल कुमार श्रीवास्तव ने किया।

उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से शरीर कमजोर नहीं होता है। यह पुनीत कार्य है। इसके द्वारा दूसरों के जीवन को बचाया जा सकता है। ब्लड बैंक प्रभारी डाक्टर दीपिका केसरवानी ने रक्तदान के महत्व को समझाया। फिजिशियन डाक्टर मनोज खत्री ने समय समय पर लोगों से रक्तदान की अपील की। रोटरी के सचिव अख्तर मसूद शरफुद्दीन और अश्विनी केसरवानी ने कैंप के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रोटरी द्वारा विगत वर्षों की तरह इस बार भी ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया। शिविर में शरद केसरवानी, अश्विनी केसरवानी, अनुभव केसरवानी, प्रत्यूष केसरवानी, दिनेश यादव, हर्ष केसरवानी और प्रदीप ने रक्तदान किया। कई लोगों ने अपना पंजीयन भी कराया है। इस मौके पर रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्षगण रो.राजेंद्र खण्डेलवाल रो.डॉ.घनश्याम अग्रवाल, ब्लड बैंक से नंदन भट्ट, गौरव तिवारी, काउंसलर कुसुम लता गुप्ता सहित अनेक जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर उपस्थित रहे और सहयोग किया।

ब्लड डोनेशन कैम्प का फीता काटकर उद्घाटन करते प्राचार्य।

पुरानी रंजिश पड़ोसी आरोपियों ने महिला को पीट कर किया जख्मी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी आरोपियों ने एक राय होकर महिला के घर की बनी हुई दीवार को गिराने लगे। विरोध करने पर महिला को मारपीट कर जख्मी कर दिया। पीड़ित महिला ने इस संबंध में कोतवाली ने शिकायती पत्र दिया है। सुमतपुर गांव की रहने वाली सरोजा देवी पत्नी राजेंद्र प्रसाद ने एक शिकायती पत्र पट्टी कोतवाली में दिया जिसमें उसने आरोपित किया है कि पुरानी रंजिश की वजह से उसके पड़ोसी आधा दर्जन लोग एक राय होकर गहदाला से उसके घर की दीवार को गिराने लगे पीड़ित महिला ने जब मना किया तो सभी आरोपी एक राय होकर उसे मारने पीटने लगे जिससे उसे काफी चोटें आई। पीड़ित महिला ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र देकर इंसाफ की गुहार लगाई है।

अभिभावकों के सहयोग से ही निपुण भारत की संकल्पना होगी साकारः फरहीम

उच्च प्रावि कटरा गुलाब सिंह में अध्यापकों व अभिभावकों की हुई बैठक

अखंड भारत संदेश

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने तथा बच्चों के नामांकन, उपस्थिति एवं ठहराव में वृद्धि तथा छात्र छात्राओं के अधिगम स्तर में प्रगति के उद्देश्य से अध्यापकों एवं अभिभावकों की बैठक उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलाब सिंह में शनिवार को संपन्न हुई।

10 बजे से 12 बजे अपराह्न तक चली बैठक में आयोजित सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। बैठक में परस्पर परिचर्चा के बिंदुओं में बच्चों के नामांकन उपस्थिति एवं ठहराव के साथ डीबीटी एवं निपुण भारत पर विस्तार से चर्चा हुई। ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत मूलभूत अवस्था व सुविधाओं की जानकारी दी गयी। आउट ऑफ स्कूल बच्चों हेतु शारदा कार्यक्रम, दिव्यांग बच्चों हेतु समर्थ कार्यक्रम व विद्यालय प्रबंध समिति आदि पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक मो० फरहीम ने विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि अभिभावकों के सहयोग से ही निपुण भारत की संकल्पना साकार होगी। नई शिक्षा नीति 2020 पर भी चर्चा करते हुए कहा कि आज बच्चों को आनंददाई शिक्षा प्रदान करने की आवश्यकता है। बैठक में अभिभावकों को भी अपना मत रखने का अवसर दिया गया तथा उदासीन अभिभावकों को प्रेरित भी किया गया। बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सभासद केतकी सिंह के प्रतिनिधि इंद्रेश प्रताप सिंह ने कहा कि विद्यालय का कायाकल्प करके आदर्श विद्यालय बनाने के लिए हर संभव कोशिश किया जाएगा। इसी विद्यालय के पुरातन छात्र कॉमेडियन संजय मौर्य ने भी अपना वक्तव्य दिया। अभिभावकों को अपने चुटकुलो से खूब हंसाया। इस मौके पर सम्मानित अभिभावक पत्रकार मतेन्द्र कीर्ति, आशा मिश्रा, शिखा श्रीवास्तव, पितामह यादव, मनोज कुमार सहित बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। बैठक के अंत में प्रभारी प्रधानाध्यापक मो० फरहीम सभी अभिभावकों एवं अतिथियों को धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया।

उच्च प्रा0वि0 कटरा गुलाब सिंह में आयोजित बैठक मे अभिभावकगण।

तमंचे की नोक पर दुकानदार से नगदी व चैन छीनने का आरोप

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। दुकान बंद कर घर जा रहे युवक के साथ अपाचे सवार बदमाशों ने तमंचे की नोक पर 5700 रुपए नगद व सोने की चैन छीनने का आरोप लगाया है पीड़ित ने नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

कोतवाली इलाके के उड़ैयाडीह के रहने वाले मोहित कुमार मिश्रा पुत्र शिवदत्त मिश्रा उड़ैयाडीह बाजार में जनरल स्टोर की दुकान रोजी रोटी के लिए रखी है। शुक्रवार को देर शाम वह दुकान बंद कर अपने घर के लिए निकला था कि दुकान से 500 मीटर की दूरी पर अपाची पर 3 लोग सवार थे रोक लिया और तमंचा सटा दिए। पीड़ित इसका विरोध किया तो उक्त लोगों ने तमंचे की बट से हाथ पर वार कर दिया जिससे वह घायल हो गया इसी दौरान उसके जेब में रखे 5700 रुपए व सोने की चेन छीन ली और बोले कि कहीं अगर इसकी शिकायत करोगे तो जान से मार दिया जाएगा। पीड़ित युवक ने हमलावरों को पहचान लिया था और शनिवार को नामजद आरोपियों पर पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी नंदलाल सिंह से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है जांच करा कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मांगी मजदूरी तो मिली जान से मारने की धमकी

पट्टी, प्रतापगढ़। कोतवाली इलाके के इटहरा गांव के रहने वाले ठेकेदार को मजदूरी मांगने पर जान से मार देने की धमकी दी गई ठेकेदार ने नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली इलाके की इटहरा गांव के रहने वाले सुरेंद्र कुमार सरोज पुत्र अमरनाथ मकान बनाने का ठेकेदार है। गांव में ही एक मकान बनाने के लिए दो लाख रुपए पर ठेका हुआ था। जिसमें सत्तर हजार रुपए दिया गया था। बाकी का पैसा मांगने पर ठेकेदार को उक्त लोगों ने कहा कि अगर पैसा मांगोगे तो जान से हाथ धोना पड़ेगा पीड़ित अपने मजदूर साथियों के साथ शनिवार को दोपहर 12 बजे कोतवाली आकर शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस कार्रवाई का आश्वासन देकर प्रार्थना पत्र के आधार पर छानबीन में जुटी हुई है।

गर्भपात की गोली खाने से नाबालिग लड़की की हुई मौत

अखंड भारत संदेश

कुण्डा, प्रतापगढ़। शादी का झांसा देकर 14 साल की नाबालिग के साथ एक युवक ने बलात्कार किया। जब वह प्रेगनेंट हो गई तो उस युवक ने उसे गर्भ गिराने के लिये दवा खिला दी। दवा खाने के बाद नाबालिग लड़की की हालत बिगड़ने लगी। परिजन उसे इलाज के लिये कुण्डा सीएचसी ले गये जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे प्रयागराज रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। नाबालिग लड़की के भाई ने कुण्डा कोतवाली में आरोपी युवक के खिलाफ तहरीर दी है। उधर कुंडा कोतवाल कमलेश पाल का कहना है कि जहरीली दवा खाकर गर्भ गिराने के चलते युवती की मौत हुई है। पूरे मामले की जांच कर कार्यवाही की जायेगी।

वांछित अभियुक्त को नवाबगंज पुलिस ने किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज पुलिस ने दीपू गौतम पुत्र रोशनलाल गौतम निवासी मवली कोतवाली कुंडा को शुक्रवार की सुबह लगभग साढ़े नौ बजे मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी सुधीर कुमार सोनी के निर्देश पर उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह ने अपने हमराही के साथ बेती बाई पास के निकट गिरफ्तार किया जिसकी लिखा पढ़ी करने के बाद न्यायालय भेज दिया। अभियुक्त 363 का मुल्जिम है बयान के आधार पर 366 धारा की पुलिस ने बढ़ोत्तरी की है।

बाइक चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने दुर्घटना मे महिला की मौत को लेकर आरोपी बाइक चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का शुक्रवार की रात केस दर्ज किया है। लालगंज के अगई अहिरन का पुरवा निवासी श्रीनाथ यादव पुत्र शंकर ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि शुक्रवार को दोपहर उसकी पत्नी धनऊ देवी को बाइक चालक रंजीत सरोज पुत्र गिरधारी रघ्घूपुर थाना सलोन जनपद रायबरेली ने सड़क पार करते समय जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में घायल धनऊ की इलाज के दौरान मौत हो गयी।

समाधान दिवस में एसडीएम तथा सीओ ने की शिकायतों की सुनवाई

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। थाना समाधान दिवस में लालगंज कोतवाली मे चैदह शिकायतों मे दो का अफसरो ने निस्तारण कराया। एसडीएम उदयभान सिंह तथा सीओ रामसूरत सोनकर ने शिकायतों की सुनवाई की। ज्यादातर मामले जमीनी विवाद से जुड़े दिखे। इस पर अफसरो ने राजस्व एवं पुलिस टीम का गठन कर मौके पर मातहतो को निस्तारण कराए जाने के निर्देश दिये। समाधान दिवस में तहसीलदार धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने भी शिकायतों की सुनवाई की। संयोजन प्रभारी निरीक्षक अवन दीक्षित ने किया। वहीं सांगीपुर थाने में प्रभारी निरीक्षक मनोज यादव ने शिकायतों की सुनवाई करते हुए तेरह शिकायतो मे तीन का निस्तारण कराया।

अधिवक्ता की मां के निधन पर साथियों ने जताया दुख

लालगंज, प्रतापगढ़। तहसील के अधिवक्ता एवं पूरे गोपाल पाण्डेय का पुरवा निवासी अरूण तिवारी की मां उर्मिला देवी के निधन पर साथियों ने शोक जताया है। शनिवार को तहसील स्थित संयुक्त अधिवक्ता संघ के कार्यालय पर कार्यकारिणी की हुई बैठक में साथी अधिवक्ता की मां को निधनोपरान्त श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व संचालन महामंत्री धीरेन्द्र शुक्ल ने किया। इस मौके पर उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष लाल विनोद सिंह, टीपी यादव, विपिन शुक्ल, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, देवी प्रसाद मिश्र, अजय शुक्ल, शहजाद अंसारी, सुरेन्द्र सिंह, हरिश्चंद्र पाण्डेय, धीरेन्द्र मिश्र, हरकेश पटेल, शिवाकांत उपाध्याय, तपन पाण्डेय, अरूण पाण्डेय आदि अधिवक्ता रहे।

थाना पिपरी तथा थाना संदीपन घाट में डीएम एसपी ने सुनी जनशिकायतें

राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर निस्तारित करने के डीएम एसपी ने दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

हर्रायपुर कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना पिपरी एवं थाना संदीपन घाट में जनशिकायतों को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को तत्काल मौके पर जाकर शिकायत को निस्तारित करने के निर्देश दिये। थाना पिपरी में कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने राजस्व एंव पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर निस्तारित करने के निर्देश दिये थाना संदीपन घाट में कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

थाना संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याओं को सुन सीओ ने किया निस्तारण

कौशाम्बी। थाना सम्पूर्ण समाधान दिवस पर शनिवार को चरवा थाने में क्षेत्राधिकारी चायल योगेंद्र कृष्ण नारायण पहुंचे और थाना संपूर्ण समाधान दिवस में मौजूद फरियादियों की समस्याओं को सुना और तमाम मामलों का मौके पर निस्तारण किया शेष मामलों को उन्होंने अधीनस्थों को सौपते हुए समय सीमा के अंदर गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण करने का निर्देश दिया। फरियादियों की फरियाद सुनते चायल सीओ योगेन्द्र कृष्ण नारायण ने कहा कि शासन की मंशा के अनुसार फरियादियों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण न्याय दिया जाए उन्होंने कहा कि न्याय देने में लापरवाही और विलंब करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी राजस्व से संबंधित समस्याओं के निस्तारण के लिए सीओ ने कहा कि पुलिस राजस्व का सहयोग लेकर जमीन संबंधित मामलों का निस्तारण करें थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना प्रभारी आलोक कुमार के साथ उप निरीक्षक पुलिस के जवान चौकी इंचार्ज के साथ समस्त स्टाफ और राजस्व कानूनगो हल्का लेखपाल के साथ-साथ इलाके के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याओं को एसओ कोखराज ने किया निस्तारण

कोखराज कौशाम्बी। थाना समाधान दिवस पर एसओ कोखराज विनोद कुमार मौर्य ने फरियादियों की समस्याओं को सुना और तमाम मामलों का मौके पर निस्तारण किया शेष मामलों को उन्होंने अधीनस्थों को सौपते हुए समय सीमा के अंदर गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण करने का निर्देश दिया। शासन की मंशा के अनुसार फरियादियों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण न्याय दिया जाए उन्होंने कहा कि न्याय देने में लापरवाही और विलंब करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी राजस्व से संबंधित समस्याओं के निस्तारण के लिए एसओ ने कहा कि पुलिस राजस्व का सहयोग लेकर जमीन संबंधित मामलों का निस्तारण करें थाना समाधान दिवस के अवसर पर राकेश कुमार इंस्पेक्टर महेन्द्र सिंह लेखपाल,कानून गो अनिल अग्रहरि,लोकनाथ पांडेय दिलीप ,साधना सिंह,श्याम नारायण मिश्रा,रितेंद्र सिंह सहित समस्त स्टाफ और राजस्व कानूनगो हल्का लेखपाल के साथ-साथ इलाके के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

भविष्य निर्माण,चरित्र निर्माण ,बोर्ड परीक्षा तैयारी हेतु धर्मा देवी में छात्र छात्राओं को किया प्रेरित

कौशाम्बी। धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार में 8 जुलाई को छात्र छात्राओं के अन्दर भविष्य निर्माण,चरित्र निर्माण ,बोर्ड परीक्षा तैयारी हेतु प्रेरित किया गया इसके अतिरिक्त अन्य विषयों पर भी विद्यालय के विषय विशेषज्ञों का कुशल मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। जिसमें विद्यालय के शिक्षक रामशंकर सिंह,आदित्य द्विवेदी,अंकित द्विवेदी,वरुण प्रकाश जोशी,शिवदत्त पाण्डेय ,मोहित कुमार ,त्रिलोकीनाथ, धनञ्जय सिंह ,ललित कुमार, बलवन्त कुमार आदि शिक्षकों एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ रामकिरण त्रिपाठी ने अपने विचार रखें।

12 जुलाई को बीडीसी सदस्यों की बैठक

कौशांबी। क्षेत्र पंचायत सदस्यों की विभिन्न समस्याओं और उनके साथ भेदभाव को लेकर 12 जुलाई को जनपद मुख्यालय मंझनपुर के डायट मैदान में बीडीसी सदस्यों ने बैठक आयोजित की है इस बैठक में समस्याओं के निराकरण के लिए विचार विमर्श करने के बाद बीडीसी सदस्य अधिकारियों से वार्ता करेंगे बीडीसी सदस्य संघ के जिला अध्यक्ष विजय गुप्ता ने कहा कि पिछले 2 वर्षों से बीडीसी सदस्यों के माध्यम से उनके क्षेत्र का कोई काम नहीं करवाया जाता है बल्कि उनकी जगह ब्लॉक में बैठे अधिकारी अपने चहेतों के माध्यम से सारा काम करवाते हैं जिससे गांव का विकास बाधित है संघ के अध्यक्ष ने बताया कि कई बार अधिकारियों को ज्ञापन दिया गया है लेकिन केवल आश्वासन मिलता है भेदभाव नहीं बंद हुआ है पारदर्शी तरीके से कार्य नहीं हो रहे हैं गांव का विकास नहीं हो सका है जिससे आक्रोशित बीडीसी सदस्य 12 जुलाई को मंझनपुर के डायट मैदान में बैठक कर आगे की रणनीति बनाएंगे।

दहेज लोभियों के विरुद्ध पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के अदर मदर नौगीरा गांव निवासी बबलू पुत्र छोटेलाल ने अपनी बहन रवीना का विवाह 7 महीने पूर्व गुड्डू पुत्र स्वर्गीय रामलाल निवासी संदीपन रोड गौरा भरवारी थाना कोखराज के साथ किया था लेकिन शुरूआत के दिनों से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग करने लगे विवाहिता के माता-पिता नहीं है भाई दहेज देने में असमर्थ है विवाहिता को 5 दिन पहले मारपीट कर घायल कर ससुराल से भगा दिया कोखराज थाने में पति गुड्डू ,जेठ श्याम बाबू, जेठानी रानी देवी और सास फूलमती के विरुद्ध पुलिस ने दहेज प्रथा का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

युवक से मोबाइल पर बातकर किशोरी घर से गायब

कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के एक गांव की एक किशोरी एक युवक से फोन पर बात कर घर से गायब हो गई परिजनों की जब नींद खुली तो देखा कि घर पर किशोरी नहीं है परिजनों को चिंता हुई और परिजनो ने किशोरी की खोजबीन किया लेकिन कहीं पता नही चल सका। इसके बाद किशोरी के पिता के फोन पर 6397 97 3543 पर युवक के मोबाइल नंबर 8542 8675 05 से फोन आया तब पता चला की किशोरी युवक के साथ घर से गायब हो गई है किशोरी के पिता ने कोखराज थाने में आरोपी के बिरुद्ध तहरीर दी कोखराज पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सेंध काटकर दो घरों से लाखों का सामान चोरों ने किया पार

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र में बारिश का फायदा उठाकर चोरों ने दो घरों में सेंध मारकर लाखो की चोरी कर ली,सुबह जागने पर घर वालो को पता चला तो हड़कंप मच गया।घटन की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के संत रविदास नगर वार्ड नं 25 के रहने वाले राजन शुक्ला के मकान में चोरों ने घर के पीछे सेंध काटकर उनकी बेटी लक्ष्मी के रखे 20 हजार नकदी, जेवरात समेत लगभग डेढ़ लाख का सामान पार कर दिया वहीं बगल में रहने वाली राधा त्रिपाठी के मकान में भी चोरों ने सेंध काटकर एक लाख नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया है ।इसकी जानकारी सुबह हुई तो हड़कंप मच गया।चोरी की सूचना पर मंझनपुर कोतवाली पुलिस व फोरेंसिक टीम जांच के लिए पहुंची और जांच में जुट गई।

त्रिपुरा के युवती से प्यार फिर शादी फिर धोखा...

कौशांबी। जनपद का एक सिपाही दीपक कुमार का फेसबुक से भारत देश के ही त्रिपुरा राज्य के ग्राम वार्ड नंबर 2 रानी बारी नॉर्थ त्रिपुरा 799261 त्रिपुरा से मुलाकात हो गई जिस पर दोनों का प्यार पवन चढ़ा और त्रिपुरा से आकर 6 महीने पहले दीपक कुमार से प्रेम विवाह कर लिया दीपक कुमार ने ओसा चौराहा शिवम मिश्रा मार्केट थाना मंझनपुर में किराए का कमरा ले लिया और दोनों बड़ी हंसी खुशी के साथ रहने लगे 3 महीने तक दोनों का बड़ी हंसी खुशी के साथ जीवन निर्वाह हुआ 3 महीने बाद सिपाही दीपक कुमार प्रेमिका को गाली गलौज करने लगा और प्रेमिका को छोड़कर कहीं फरार हो गया है पीड़िता इस समय दाने दाने को मोहताज है हालांकि पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक कौशांबी से गुहार लगाई तो पुलिस अधीक्षक ने 24 घंटे के भीतर फरार सिपाही को बुलाने बात कह कर महिला को राहत दी है।

दुष्कर्म अभियुक्त को 10 वर्ष की सजा

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के एक गांव में 22 दिसंबर 2016 को एक बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय एडीजी 7 पॉक्सो एक्ट ने अभियुक्त छंगु उर्फ छंगन पुत्र निंबू लाल निवासी सहजादपुर थाना कोखराज कौशाम्बी को दिनांक 07.07.2023 को 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई है तथा 11 हजार रुपए के अर्थ दण्ड से दण्डित किया है। अर्थ दण्ड न अदा करने पर 03 माह के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी पड़ेगी।

रेप आरोपी को 10 वर्ष की सजा

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 22 फरवरी 2021 को किशोरी के साथ रेप करने के आरोपी मुरली उर्फ राम निवास को सुनवाई के दौरान अदालत ने रेप का दोषी पाया और मुरली को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई वा 10 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दंडित किया है।

सपा से मतेश सोनकर के मैदान में आने से भाजपा की होगी विधानसभा जैसी दुर्गत

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बाद विधानसभा चुनाव 2022 में जिस तरह से इंद्रजीत सरोज के नेतृत्व में कौशांबी के तीनों विधानसभा चायल सिराथू मंझनपुर सीट पर भाजपा की दुर्गति करते हुए सपा प्रत्याशियों ने जीत का डंका बजाया विधानसभा सीट जीतने के बाद लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के नेताओं की नजर लगी है भाजपा के बैनर तले दो बार से लोकसभा चुनाव जीत चुके विनोद सोनकर को पटकनी देने के लिए समाजवादी पार्टी के नेता हर रणनीति बना रहे हैं समाजवादी पार्टी से कौशांबी लोकसभा चुनाव जीतने की जिम्मेदारी पूर्व कबीना मंत्री और कौशांबी की राजनीति में धुरंधर इंद्रजीत सरोज को सौंपी गई है सियासी राजनीत में इंद्रजीत सरोज काफी अनुभवी माने जाते हैं हर वर्ग पर उनकी मजबूत पकड़ है जन जन से। वह व्यक्तिगत परिचित है जब से समाजवादी पार्टी के सारथी इंद्रजीत सरोज बने हैं हर स्थान पर समाजवादी पार्टी की जय जय कार हो रही है। पूर्व काबीना मंत्री धुरंधर नेता इंद्रजीत सरोज के समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद बहुजन समाज पार्टी का एक बड़ा खेमा भी समाजवादी पार्टी में शामिल हो गया जिससे समाजवादी पार्टी कौशाम्बी जिले में मजबूती की राह पर चल पड़ी है जिसका नतीजा विधानसभा चुनाव 2022 में समाजवादी पार्टी ने तीनों विधानसभा सीट चायल सिराथू और मंझनपुर पर अपने प्रत्याशियों को जीत दिला कर अपने मजबूती का प्रदर्शन दिखा दिया है लोकसभा चुनाव

लोकसभा चुनाव

कौशाम्बी जिले की सियासी राजनीति में इंद्रजीत सरोज का कम नहीं है रुतबा

2024 में किसी तरह भी कौशांबी लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी अपनी जीत का परचम फहराने का भरसक प्रयास कर रही है अभी से गुणा गणित शुरू हो गई है लोकसभा चुनाव में कौशांबी लोकसभा सीट से किस नेता को समाजवादी का प्रत्याशी बनाया जाए जिससे भाजपा का प्रत्याशी कमजोर पड़े इसी गुणा गणित में जिले की राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाले पूर्व मंत्री मतेश चंद्र सोनकर का नाम तेजी से चर्चा में आने लगा है भाजपा ने विनोद सोनकर को दो चुनाव से प्रत्याशी बनाया है उन्होंने जीत भी दर्ज की है सोनकर मतदाताओं को समाजवादी पार्टी की ओर लुभाने के लिए प्रयास शुरू हो गए हैं मतेश सोनकर के मैदान में आने के बाद यदि सोनकर मतदाता दो खेमे में बट गया तो भाजपा सांसद विनोद सोनकर के राह में कांटे कम नहीं होंगे और इसी प्रयास की कड़ी में समाजवादी पार्टी से मतेश चंद्र सोनकर का नाम लोकसभा चुनाव में तेजी से आने लगा है यदि समाजवादी पार्टी ने मतेश चंद्र सोनकर को लोकसभा चुनाव में कौशांबी सीट पर मैदान में उतारा तो भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर की राह आसान नही होगी।

अफसरों के रहमों करम पर संविदा कर्मी चला रहा पावर हाउस !

अखंड भारत संदेश

इलाके में अवैध कटिया धारकों से अवैध वसूली में लिप्त है संविदा कर्मी

कौशाम्बी। चायल तहसील के पेरवा पावर हाउस में लंबे समय से तैनात संविदा कर्मी संतोष कुमार अवैध कटिया धारकों से अवैध वसूली में मशगूल है विद्युत अधिकारियों का उसे संरक्षण मिला हुआ है जिससे एक ओर जहां विद्युत विभाग को लाखों रुपए महीने की चपत लग रही है वहीं विभागीय अधिकारियों के रहमों करम पर संविदा कर्मी मालामाल हो रहा है एक तरफ राज्य सरकार बिजली व्यवस्था को सुधारने मे लगी है वहीं दूसरी ओर पावर हाउस मे तैनात अधिकारी व कर्मचारी एवं संविदा कर्मी सरकार के मंसूबे पर पलीता लगाने का काम कर रहे हैं यह संविदा कर्मी अफसरों की रहमों करम पर पावर हाउस का मालिक बन बैठा है और वहीं उच्च अधिकारियों को हेराफेरी करके गुमराह करता रहता है। संविदा कर्मी पुराना होने के कारण क्षेत्रों मे काफी जान पहचान व रुतबा बना चुका है संविदा कर्मी लाइन मैन से साठगांठ कर अवैध कटिया मारी करवा कर अवैध वसूली में लिप्त है अवर अभियंता भी उक्त संविदा कर्मी की गुलामी करते देखे जाते हैं अंधेर गर्दी की हद तो तब हो गई जिस कनेक्शन को बिल बकाया के कारण काट दिया हो उस घर मे बिजली जल रही है और उसकी कोई जांच नही होती और अगर कोई संतोष की शिकायत करता है तो जबाब मिलता है कि जेई साहब कुछ नही कर सकते सवाल उठता है कि जब संविदा कर्मी ही पावर हाउस का मालिक बन बैठा है तो अवर अभियंता और सहायक अभिनेता की तैनाती की क्या जरूरत है इलाके के लोगों ने पावर कारपोरेशन के चेयरमैन का ध्यान संविदा कर्मी और अधिकारियों की सांठगांठ की ओर दिलाते हुए कार्यवाही की मांग की है।

कहानी कविता निबन्ध प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

कौशाम्बी। युवा रचनाकारों (18 से 30 वर्ष) को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा कहानी/ कविता/ निबन्ध प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं कहानी अधिकतम 2500 शब्द व कविता अधिकतम 500 शब्द (एक ओर टंकित) हो, निबन्ध प्रकृति और हम विषय पर केन्द्रित होगा, जो अधिकतम 2500 शब्द का (एक ओर टंकित) होगा। कहानी/ कविता भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों पर केन्द्रित होनी चाहिए कहानी/ कविता/ निबन्ध पर शीर्षक के अतिरिक्त लेखक का नाम व पता अंकित नहीं होना चाहिए। अलग पृष्ठ पर कहानी/ कविता/ निबन्ध के शीर्षक के साथ प्रतिभागी का नाम, पता, दूरभाष संख्या सहित हाईस्कूल प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। पूर्व में पुरस्कृत रचनाकार की प्रविष्टि उसी विधा में स्वीकार नहीं की जायेंगी। प्रविष्टियां निदेशक, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन हिन्दी भवन 6-महात्मा गांधी मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 पर दिनांक 14 अगस्त, 2023 तक भेजी जा सकती है।

तालाब पर किए गए अवैध कब्जे को बुलडोजर लगा कर धराशाई कराए जाने की मांग

करारी कस्बे के दर्जनों तालाब पर भू माफियाओं ने कर रखा है कब्जा

अखंड भारत संदेश

योगी सरकार के निर्देश के बाद भी तालाब के अवैध कब्जा हटाने में प्रशासन नहीं दिखाई पड़ रहा सक्रिय

करारी कौशाम्बी। नगर पंचायत करारी में भू माफियाओं द्वारा तालाब की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर उनके अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। नगर के अधिकतर तालाब बीते कई वर्षों से अतिक्रमण की चपेट में हैं कस्बे के दर्जनों तालाब में भू माफियाओं ने कब्जा कर लिया है कई तालाब में पक्के घर बन गए हैं कई बार मामले की शिकायत भी लोगों ने अधिकारियों से की है एक तरफ योगी सरकार सरकारी संपत्ति में अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलाकर सरकारी संपत्ति खाली कराने का निर्देश दे रही है लेकिन कौशांबी जिले के करारी कस्बे में सरकारी तालाब पर अवैध कब्जे के मामले में मंझनपुर तहसील प्रशासन और नगर पंचायत का बुलडोजर वर्षो बीत जाने के बाद भी सरकारी तालाब में बने घरों पर नहीं चल सका है। करारी कस्बे के दर्जनों तालाबों पर अतिक्रमण को लेकर कस्बे के तमाम लोगों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर कस्बे के नयागंज वार्ड में मौजूद तालाब पर भू माफियाओं द्वारा किये गए अवैध निर्माण को गिराये जाने की मांग की है लेकिन उसके बाद भी नगर पंचायत करारी और मंझनपुर तहसील प्रशासन का बुलडोजर दिखाई नहीं पड़ रहा है नगर वासियों की शिकायत के बाद डीएम ने उपजिलाधिकारी मंझनपुर और अधिशासी अधिकारी करारी को जांच सौंपी है डीएम की जांच के निर्देश के बाद दो सप्ताह का समय बीत गया लेकिन तालाब में अवैध कब्जे अधिकारियों को दिखाई नहीं पड़ रहे हैं। डीएम के निर्देश को एक पखवारा बीतने बाद भी अभी तक इन भू माफियाओं के हवेली पर योगी सरकार का बुलडोजर चलता नहीं दिखाई पड़ रहा है जिससे अधिकारियों के मंशा पर सवाल खड़े हो रहे हैं इलाके के लोगों ने योगी सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए करारी कस्बे के तालाब पर किए गए अवैध कब्जे को बुलडोजर लगा कर धराशाई कराए जाने की मांग की है।

साहब यहां तो मौत की भी लगती है बोली !

मौत के जिम्मेदारों को बख्शीस देने के बदले लाश पर सौदेबाजी कर वसूले गए डेढ़ लाख रुपए

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के रामपुर सुहेला गांव में 05 जून को शादी विवाह के पंडाल में उतरे करंट से बालक शीबू पुत्र राम सिंह की मौत के बाद उसके माता की तहरीर पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया मृतक बालक की माता श्रीमती पासी ने जिले से लेकर लखनऊ पुलिस अफसरों तक शिकायती पत्र और ट्वीट के माध्यम से मौत के जिम्मेदारों पर मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की अधिकारियों ने मामले को संज्ञान लिया। अधिकारियों के निर्देश पर आनन-फानन में कोखराज थाना पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया बचाव में ग्राम प्रधान सहित दलाल थाने पहुंच गए 3 दिनों तक लगातार कई कई घंटे कोखराज थाने में पंचायत होती रही अफसरों के निर्देश के बाद भी कोखराज पुलिस ने मुकदमा नहीं दर्ज किया पंचायत के दौरान गुनाहगारों को माफ करने के लिए बालक की मौत के बाद कीमत लगाई जाती रही लाश पर सौदेबाजी होती रही मौत की बोली डेढ़ लाख में तय हो गई कहते हैं माता कुमाता नहीं हो सकती लेकिन बेटे को मौत देने वाले से डेढ़ लाख मिलने के बाद मौत के जिम्मेदारों के गुनाहों को महिला ने माफ कर दिया है अब समाज माता को कुमाता नहीं कहेगा तो क्या कहेगा लाश पर सौदेबाजी के बाद डेढ़ लाख रुपए मिलते ही इस महिला से हिस्सा वसूलने के लिए गिद्ध की तरह दलाल प्रधान और पुलिस के जवान सक्रिय हो गए और मौत की बोली की रकम से सब ने अपना अपना हिस्सा वसूल लिया मौत के जिम्मेदारों को बख्शीस देने के बदले डेढ़ लाख वसूलने वाली महिला के कारनामों को क्या पुलिस अधिकारी संज्ञान लेकर कठोर कार्यवाही करेंगे या लाश पर सौदेबाजी कर गुनहगारों को माफ करने वाली महिला और पुलिस के गुनाह पर कार्यवाही करने से पुलिस अफसर हाथ खड़े कर देंगे हालांकि इस खेल में मौत के गुनाहगार अभी तक बचे हैं।

बिजली पानी की समस्या से किसान परेशान : अजय सोनी

किसानो की समस्यायों की अनदेखी कर रहा जिला प्रशासन

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी ने नेता अजय सोनी ने जिला प्रशासन कौशांबी पर किसानो की समस्यायों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। साथ ही कहा है कि किसान बिजली पानी की समस्यायों से परेशान है और जिला प्रशासन चुप है। अजय सोनी ने जिला प्रशासन कौशांबी पर किसानो की समस्यायों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि धान की रोपाई के समय करारी माइनर सहित जिले की कई माइनरे सुखी पड़ी है और धान की रोपाई बाधित है लेकिन जिम्मेदारों को कोई फर्क नही पड़ रहा है। आगे कहा कि इसी तरह विद्युत आपूर्ति का हाल है। जिले के कई कई फीडरो के किसान रोस्टर से पर्याप्त बिजली न मिलने से परेशान हैं और नलकूप के सहारे हो रही धान की रोपाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि जिले का शाहपुर फीडर, भरसवा फीडर, नारा फीडर आदि में रोस्टर से समुचित बिजली के न आने से किसानो की धान की रोपाई पिछड़ रही है और विभागीय अधिकारी और जिला प्रशासन चुप हैं। अजय सोनी ने जिला प्रशासन कौशांबी से तत्काल नहरों एवं रजबहों में टेल तक जलापूर्ति और रोस्टर से पर्याप्त मात्रा में विद्युत आपूर्ति करने की मांग की है।

आरसीसी रोड से लिंक रोड ना बनने से आए दिन होते हैं गंभीर हादसे

अखंड भारत संदेश

एसी रूम को बंद करके विभागीय अधिकारी इंजीनियर पूरे दिन कमीशन खोरी का करते रहते हैं हिसाब !

तिल्हापुर कौशांबी। सड़क निर्माण के मामले में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की रोज लापरवाही उजागर हो रही है एसी रूम को बंद करके विभागीय अधिकारी इंजीनियर पूरे दिन कमीशन खोरी का हिसाब करते हैं ठेकेदार भी आए दिन लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से मिलने उनके चेंबर में पहुंच रहे हैं करोड़ों रुपए की सरकारी रकम खर्च करने के बाद पूरामुफ्ती से लेकर मनौरी बाजार तक आरसीसी रोड का निर्माण बीते कुछ महीने पहले लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया गया है है करोड़ों रुपए की लागत से सड़क तो मानक विहीन बन गई लेकिन लिंक रोड को आरसीसी की सड़क से नहीं मिलाया गया इस सड़क में लगभग 16 लिंक रोड है जो सड़क से 2 फुट नीचे है लोग मिट्टी डालकर किसी तरह से आवागमन कर रहे हैं आरसीसी रोड और लिंक रोड में ज्यादा ऊंचा नीचा होने के चलते आए दिन लोग सड़क में गिर कर लहूलुहान हो रहे हैं लेकिन विभागीय अधिकारी कुंभकरण की नींद सो रहे हैं मनौरी से चरवा रोड, बाजार रोड, महर्षि दयानंद स्कूल रोड, नवीन कॉलोनी रोड, रेलवे स्टेशन जाने वाली रोड, मर्दानपुर रोड जाने वाली रोड, सहित विभिन्न लिंक मार्ग को आरसीसी के मुख्य मार्ग से नहीं जोड़ा गया है जिससे आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं लिंक मार्ग से आरसीसी के मुख्य मार्ग में चार पहिया वाहन का ले जाना बड़ा जोखिम भरा है लेकिन उसके बाद भी ठेकेदार पर कठोर कार्यवाही करते हुए लिंक रोड को आरसीसी रोड से जोड़ने का प्रयास विभागीय अधिकारियों ने नहीं किया है।

संपादकीय

गांधी और गांधीवाद पर हमला सुनियोजित साजिश

गांधीवादी डॉ. सुदर्शन अयंगर ने लगभग एक दशक पहले प्रकाशित एक पेपर में लिखा था- 'कई (गांधीवादी) संस्थान संकट में दिखाई देते हैं। ऐसा लगता है कि उनकी बुनियाद कमजोर हो गई है जो विचार की गरीबी और व्यवहार में कठोरता दोनों को दशार्ता है। प्रतिबद्ध व्यक्तियों की संख्या कम है। सामान्य तौर पर मामूली सामाजिक सेवा को छोड़कर, गांधीवादी विचारों और कार्यों के लिए व्यापक सामाजिक समर्थन लगभग न के बराबर है।' गांधीवादी विचार, संस्थान और स्वयं महात्मा गांधी पर आज अभूतपूर्व हमले हो रहे हैं। सरकार में शामिल लोगों से लेकर कार्यकताओं तक अपने जहरबुझे दिमाग से गांधी और उनके विचारों पर लगातार हमले कर रहे हैं। राष्ट्रपिता को गलत और यहां तक कि खलनायक बताने की कोशिशें की जा रही हैं। इन घटनाओं से गांधीवादी हैरान हैं, लेकिन हमलों की उग्रता और मीडिया चैनलों पर फैलाए जा रहे जहर के कारण उनके मन में मायूसी, हार और इस विवाद में शामिल न होने की भावना भी है। इन परिस्थितियों में गांधीवादियों को क्या करना चाहिए? उन्हें कैसे जवाब देना चाहिए? विडंबना यह है कि 2 फरवरी, 1948 को वर्धा में आयोजित होने वाले एक सम्मेलन में चर्चा के केंद्र में ये सवाल थे। हालांकि उस समय संदर्भ अलग था- स्वतंत्रता के बाद के भारत को मजबूत करने के लिए प्रयास। उस सम्मेलन से तीन दिन पहले ही गांधी की हत्या कर दी गई थी। इसलिए इस सम्मेलन का बाद में मार्च में आयोजन करना तय किया गया। इसका विषय था- 'गांधी चले गए। अब हमें क्या करना चाहिए?' (गांधी इज गॉन,व्हॉट शुड वी डू नॉऊ?) 13-15 मार्च, 1948 को हुए उस सम्मेलन में सर्व सेवा संघ की स्थापना की गई। इस सम्मेलन की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने की थी और इसमें प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, शिक्षा मंत्री मौलाना आजाद, आचार्य जेबी कृपलानी, जेसी कुमारप्पा, जयप्रकाश नारायण, विनोबा भावे जैसे लोगों ने 'सच्चेदिल, आत्म-आलोचना और निष्पक्षता के साथ अपनी बातें रखीं, जिसने अपने शहीद मार्गदर्शक को भी छूट नहीं दी। इस विचार मंथन को 'गांधी इज गॉन, हू विल गाईड अस नॉऊ?' (संपादक गोपालकृष्ण गांधी, परमानेंट ब्लैक द्वारा प्रकाशित) में छापा गया। इस सम्मेलन में सरदार वल्लभभाई पटेल भी शामिल होने वाले थे लेकिन खराब स्वास्थ्य के कारण वे नहीं आ सके। यह तय किया गया कि सर्व सेवा संघ दलगत राजनीति से दूर रहकर इस उद्देश्य से काम करेगा कि-'मानव और लोकतांत्रिक मूल्यों से ओत-प्रोत सत्य और अहिंसा पर आधारित एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था की शुरूआत की जा सके जो शोषण, अत्याचार, अनैतिकता या अन्याय से मुक्त हो और जो मानव के व्यक्तित्व विकास के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करे'। इस समय सर्व सेवा संघ और वाराणसी में उसके द्वारा संचालित संस्थाएं, स्थानीय प्रशासन और रेलवे के खिलाफ उच्च न्यायालय में उस नोटिस के खिलाफ लड़ रही हैं जो दावा करते हैं कि जिस भूमि पर संघ का कार्यालय है उसका स्वामित्व रेलवे के पास है। स्थानीय प्रशासन और रेलवे की नोटिस में संस्था के रिकॉर्ड और 15 मई 1960, 09 मई 1961 और 20 मई 1970 के बिक्री विलेखों की वैधता के दावों की अवहेलना की गई है जो दिखाते हैं कि यह भूमि सरकार से विधिवत खरीदी गई थी। संपत्ति गिराने की नोटिस और वास्तविक तोड़फोड़ के लिए तय की गई तारीखें बिजली की गति के साथ आई हैं और सरकारी मशीनरी काम करने के अपने ढीले-ढाले तरीके के एकदम विपरीत है। इस मामले पर प्रकाश डालते हुए एक सदस्य ने कहा कि -'गांधीवादी संगठन आज दुर्दशा और खतरे का सामना कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि 'वाराणसी में सर्व सेवा संघ पर हमला हो रहा है। हम इसे बचाने के लिए सब कुछ कर रहे हैं।' अगर सर्वसेवा संघ के समृद्ध इतिहास, इसके इरादे की शुद्धता (सार्वजनिक जीवन में सच्चाई) और इस संगठन को बनाने वाले नेताओं के नाम भी सरकारी अधिकारियों को सर्व सेवा संघ की इमारतों को ध्वस्त करने से नहीं रोक सके तो गांधीवादी आंदोलन के बचे हुए लोगों में से लगभग किसी को भी सुरक्षित नहीं माना जा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि गांधी विरोध की यह दिशा घृणित है। इसका विरोध करने के लिए हरसंभव प्रयास किये जाने चाहिए। हमारे भीतर के सर्वश्रेष्ठ का पोषण करने वाली गहरी, समृद्ध और विकसित सोच जो हमारी विरासत और लोकाचार की बात करती है, उसे एक ऐसे स्तर पर लाया जा रहा है जो राष्ट्र के कद को कम करता है। सही सोच वाले सभी भारतीयों को इन हरकतों से चिंतित होना चाहिए। फिर भी, गांधी विरोधी सोच हर तरह से फल-फूल रही है। 1948 में उठाया गया सवाल 2023 में फिर हमारे सामने खड़ा है; फर्क सिर्फ इतना है कि अब 'हमारी' सरकार पर खुली शत्रुता, वैमनस्य को बढ़ावा देने और गांधीवादी सोच की जड़ों पर प्रहार करने वाले विभाजन पैदा करने का आरोप लगाया जा रहा है। फिर भी, आजादी की 75 साल की यात्रा में इस सवाल की समानता हमें एक व्यक्ति के रूप में और गांधीवादी आंदोलन के बारे में बहुत कुछ बताती है। दोनों अच्छे नहीं लग रहे हैं। हम उन शक्तियों को दोष दे सकते हैं और उन्हें दोष देना भी चाहिए जो इस कहानी को आकार देते हैं कि गांधी हमारे असली नायक नहीं हैं और इस विचार को बेचने के लिए अंतहीन घंटों के एयर टाइम और सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं, परन्तु वे इस कथा को इतनी सफलतापूर्वक ले जा रहे है कि हमें बताते हैं कि गांधी के आदर्श वास्तव में भारतीयों के दिल और दिमाग में अंतर्निहित नहीं हैं। इसलिए यह दोष उन सभी लोगों द्वारा भी साझा किया जाना चाहिए जिन्हें गांधीवादी के रूप में जाना जाता है।

आखिर लोकायुक्त से इतना डर क्यों ?

जयसिंह रावत

पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन के लिये एक सशक्त लोकपाल की व्यवस्था की मांग को लेकर सन् 2011 में चले अन्ना हजारे के आन्दोलन के फलस्वरूप 1 जनवरी 2014 को अस्तित्व में आये भारत के लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम की धारा 63 में कहा गया था कि संसद द्वारा पारित इस अधिनियम के लागू होने के एक साल के अंदर सभी राज्यों की विधानसभाएं इस एक्ट के अनुरूप लोकायुक्त कानून बनायेंगी और उस कानून के आधार पर राज्यों में लोकायुक्त का गठन होगा। लेकिन 9 साल गुजर गये और देश के 28 राज्यों में से उत्तराखण्ड सहित 8 राज्यों ने लोकायुक्त का गठन नहीं किया। कुछ राज्यों में लोकायुक्त संगठन में न्यायिक सदस्यों के पद खाली हैं।

कुछ राज्यों ने अब तक कानून तक नहीं बनाये। जबकि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी लोकायुक्त का गठन न करने वाले राज्यों को फटकार लगायी जा चुकी है। भ्रष्टाचार देश के सामने एक गंभीर चुनौती बन कर खड़ा है। सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि भ्रष्टाचार नागरिकों के समानता और जीवन के अधिकार संबंधी संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन करता है। वास्तव में भ्रष्टाचार निष्पक्षता, समानता और पारदर्शिता के सिद्धांतों को कमजोर करता है जो नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। भ्रष्टाचार अक्सर सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग, रिश्वतखोरी, गबन और सत्ता के दुरुपयोग के साथ-साथ अन्य प्रकार के कदाचार को जन्म देता है। यह सच्चाई छिपी नहीं है कि भ्रष्टाचार की गंगोत्री शासन और प्रशासन में बैठे उच्च स्थानों से शुरू हो रही है। यही नहीं भ्रष्टाचार राजनीति की सबसे बड़ी खुराक साबित हो रही है। क्योंकि इसके दायरे में नौकरशाही के साथ ही राजनीतिक शासक भी आते हैं, इसलिये संभवतः लोकायुक्त का गठन में संकोच होता है। अभी भ्रष्टाचार के मामलों में जांच कराना या न कराना शासन-प्रशासन के हाथ में है लेकिन लोकायुक्त व्यवस्था में कोई भी व्यक्ति सीधे लोकायुक्त से किसी के भी खिलाफ जांच की मांग कर सकता है। लोकपाल का डर ही था कि 1968 से लेकर 2013 तक संसद लोकपाल का कानून पास नहीं कर सकी। लोकपाल कानून बनने के 5 साल बाद केन्द्र में पिनाकी चन्द्र घोष को लोकपाल के तौर पर नियुक्ति हो सकी मगर उनका कार्यकाल 27 मई 2022 को पूर्ण होने के बाद भी नये लोकपाल की नियुक्ति के बिना केन्द्र में प्रभारी लोकपाल से काम चलाया जा रहा है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशल इंडिया की 2020 की रिपोर्ट के अनुसार संसद द्वारा पारित लोकपाल-लोकायुक्त कानून के अस्तित्व में आने के बाद भी 28 राज्यों और 3 केन्द्र शासित प्रदेशों में से 9 ने अभी तक केन्द्रीय कानून के अनुरूप या समरूप अपने लोकायुक्त कानून में संशोधन नहीं किया। देश के 28 राज्यों के साथ ही 3 केन्द्र शासित प्रदेशों से जुटाये गये इन आंकणों के अनुसार 8 ने लोकायुक्त का गठन नहीं किया।

इन राज्यों में उत्तराखण्ड, असम, गोवा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पुडुचेरी हैं। जम्मू-कश्मीर में जो संस्था थी वह भंग है। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के हस्तक्षेप के बाद भी उत्तराखण्ड जैसे कुछ राज्यों ने लोकायुक्त के गठन की पहल नहीं की। सन 2018 में सर्वोच्च न्यायालय ने 12 राज्यों के मुख्य सचिवों कोअपने यहां यथाशीघ्र लोकायुक्तों के गठन के निर्देश दिये थे। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशल की रिपोर्ट के अनुसार 22 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में सभी आवश्यक उपलोकायुक्तों (सदस्य) की नियुक्ति नहीं हुयी। आज एक देश एक कानून की बात तो होती है मगर लोकायुक्त कानूनों में एक रूपता नहीं है। हिमाचल प्रदेश में जहां शिकायत दर्ज करने का शुल्क मात्र 3 रुपये है वहीं गुजरात और उत्तर प्रदेश में यह शुल्क 2000 रुपये रखा गया है।

कुछ राज्यों ने संसद द्वारा पारित लोकायुक्त कानून के मजमून को अपनाने के बजाय अपनी सुविधानुसार कानून बना दिये। उत्तराखण्ड जैसे राज्य में संसद द्वारा पारित मजमून के अनुसार बने कानून को नहीं माना जा रहा है और अपना अलग कानून बनाने का तर्क देकर मौजूदा कानून के अनुसार लोकायुक्त का गठन नहीं किया जा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के निदेर्शों के बावजूद लोकायुक्त का गठन करने के बजाय राज्य सरकार समान नागरिक संहिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है जबकि केन्द्र सरकार स्वयं समान नागरिक संहिता बनाने जा रही है। अगर केन्द्र का कानून बनता है तो अनुच्छेद 254-क के अनुसार उत्तराखण्ड के कानून का अस्तित्व नहीं रह जाता है। शासन प्रशासन में सुचिता और सुशासन के लिये एक सशक्त भ्रष्टाचार विरोधी संस्था की वकालत सन् 1960 के दशक से शुरू हो गयी थी। इस तरह की एक संस्था की कल्पना सबसे पहले 1963 में विख्यात न्यायविद डा0 एल.एम. सिघ्वी ने की थी। सन् 1967 में मोरारजी देसाई प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों के आधार पर अगस्त 1968 में लोकपाल विधेयक संसद में पेश हुआ जो पारित नहीं हुआ। लोकपाल विधेयक 2001 में भी संसद में पेश किया गया था लेकिन बाद में वापस ले लिया गया। तीसरा लोकपाल विधेयक 2011 में संसद में पेश किया गया था। इस विधेयक पर महत्वपूर्ण बहस और चर्चा हुई लेकिन पारित नहीं किया जा सका। लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013, विधेयक का अंतिम संस्करण था जो अंततः कानून बन गया। संसद द्वारा पारित इस विधेयक को 1 जनवरी 2014 को राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हुई।

केन्द्र में लोकपाल-लोकायुक्त कानून आने के बाद उड़ीसा पहला राज्य था जहां 14 फरबरी 2014 को संसद द्वारा पारित कानून के मुताबिक लोकायुक्त कानून बना था और उसके बाद उत्तराखण्ड दूसरा राज्य था जिसका लोकायुक्त कानून 26 फरबरी 2014 को अस्तित्व में आया था।

लेकिन इतने साल बाद भी उस कानून के अनुसार उत्तराखण्ड को एक अदद लोकायुक्त नहीं मिल सका। सन् 2017 में सत्ता परिवर्तन के बाद मौजूदा कानून को नकार कर 100 दिन के अंदर एक नया मजबूत लोकायुक्त कानून लाने के साथ ही लोकायुक्त के गठन का वायदा किया गया था लेकिन न तो नया कानून आया और ना ही सौ दिन के बजाय 6 साल गुजरने पर भी नया लोकायुक्त अस्तित्व में आया।ऐसी ही मिलती जुलती रामकथा अन्य उन राज्यों की भी है जो कि लोकायुक्त से वंचित हैं।

नाकाफी है गहलोत सरकार के कोटा में प्रवासी छात्रों की आत्महत्या का मामले को रोकने के प्रयास

अशोक भाटिया

चंबल नदी के किनारे बसा राजस्थान का शहर कोटा। इस शहर ने पिछले करीब तीन दशक में डॉक्टर और इंजीनियर बनने का ख्वाब देने वाले नौजवानों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। यहां खएए और ठएएळ के एंट्रेंस की तैयारी कराने वाले दर्जनों कोचिंग संस्थान हैं। एक तरह से शिक्षा की मंडी नजर आता है कोटा लेकिन, अब यह शहर अक्सर चर्चा में रहता है अपने ख्वाबों के बोझ तले दबकर मौत को गले लगाने वाले नौजवानों के चलते। सैकड़ों अभागे मां-बाप भी हैं, जो बड़े अरमान लेकर अपने बच्चों को इस सपनों की नगरी में भेजते हैं लेकिन बदकिस्मती से उन्हें उनकी अर्थी लेकर जानी पड़ती है।

पिछले दो महीने की बात करें, तो कोचिंग हब कोटा, सुसाइड हब बना नजर आता है। इस दौरान 9 बच्चों ने खुदकुशी की है। इनमें से पांच बच्चे एक ही कोचिंग संस्थान के हैं। अभी यह साल आधा ही बीता है और इस दौरान कोटा में कुल 14 बच्चे मौत को गले लगा चुके हैं। कोटा में देश भर से करीब पौने तीन लाख बच्चे खएए, ठएएळ और एम्स के एंट्रेस एग्जाम की तैयारी करने आते हैं। आसान शब्दों में कहें, तो पूरे शहर की अर्थव्यवस्था इन्हीं बच्चों पर टिकी है। कोटा में कोचिंग इंडस्ट्री लगभग ढाई दशक पुरानी है। किसी समय में कोटा बड़े कल-कारखानों और धुआं निकालती फैक्ट्रियों की चिमनियों के लिए जाना जाता था मगर जब इन कारखानों में मंदी आई और मशीनें बेजान हो गई तो कोचिंग इंडस्ट्री का कारोबार बढ़ा।अब कोटा में कोचिंग संस्थानों की बहार है। कमोबेश हर राज्य के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति कोटा में एक मुकम्मल भारत की तस्वीर प्रस्तुत करती है। जानकार कहते हैं कि आईआईटी में प्रवेश के लिए लगभग बारह लाख छात्र-छात्राओं के इम्तिहान की राह यहां से गुजरती है।

पर अब बताया जाता है कि ज़्यादातर मां-बाप अपने बच्चों को डॉक्टर और इंजीनियर के रॉ मटीरियल की तरह छोड़ जाते हैं। वे बच्चे से जानने की कोशिश नहीं करते कि उसे कोई परेशानी तो नहीं, कोचिंग में उसका प्रदर्शन कैसा है? बताया जाता है कि हाल ही में बीते सप्ताह 27 जून को दो विद्यार्थियों ने खुदकुशी कर ली जिसमें पहली घटना में वैष्णव समाज के छात्रावास में रहकर एक कोचिंग संस्थान से नीट की तैयारी कर रहे 17 साल के छात्र मेहुल वैष्णव ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह 2 माह पहले कोटा में नीट की तैयारी करने आया था। वहीं दूसरी घटना में जौनपुर उत्तर प्रदेश के रहने वाले 17 साल के छात्र आदित्य ने फंदा लगाकर सुसाइड कर ली। आदित्य करीब डेढ़ महीने पहले ही कोटा आया था। वहीं, कोचिंग संस्थानों की बात करें तो वे पूरी तरह से बिजनेस करते हैं। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि बच्चा इन प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करने लायक है भी या नहीं। यहां कितना भी औसत या फिर औसत से नीचे का बच्चा आए, उसका दाखिला कर लिया जाएगा। उसे इंजीनियर-डॉक्टर बनने के सब्जबाग दिखाए जाएंगे।

छात्रों की आत्महत्या का मामले भले ही गहलोत सरकार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है पर अभी तक इस को परमानेंट रोकने में गहलोत सरकार के प्रयास नाकाफी है । राजस्थान सरकार का कहना है कि इन सभी मुद्दों पर गौर करते हुए अब कोचिंग संस्थाओं में आत्महत्या को नियंत्रित करने और रोकने के लिए 'राजस्थान कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक 2023' पेश किया जायेगा। इस विधेयक से पहले 2018 में राजस्थान सरकार ने कोटा में कोचिंग संस्थानों को विस्तृत दिशानिर्देश जारी किये थे लेकिन उनका छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा और घटनायें बढ़ती रही थी। इसलिए अब विधेयक लाने का प्रयास किया जा रहा है। अगर राजस्थान कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) 2023 विधेयक विधानसभा से पास होकर कानून बन गया तो इसके तहत कोचिंग संस्थानों को कई अनिवार्य दिशानिर्देश दिये जा सकते हैं। विधेयक के कानून बनने पर सुनिश्चित किया जायेगा कि कोचिंग सेंटरों में दाखिला लेने वाले छात्रों को योग्यता परीक्षा देनी होगी। यदि कोई उस परीक्षा को पास नहीं करता तो वह स्नातक इंजीनियरिंग या मेडिकल पाठ्यक्रमों की कोचिंग के लिए पात्र नहीं होंगे। यह कानून कोचिंग संस्थानों से टॉपर्स का महिमामंडन बंद करने का आग्रह करेगा क्योंकि यह औसत और औसत से नीचे के छात्रों को मानसिक रूप से प्रभावित करता है। चूंकि संस्थान साप्ताहिक रूप से नियमित परीक्षण लेते हैं, इसलिए प्रत्येक परीक्षण के बाद छात्रों के लिए एक परामर्श सत्र देना होगा। साथ ही यदि यह कानून राजस्थान सरकार द्वारा पारित हो जाता है, तो सरकार एक ई-शिकायत पोर्टल बनाएगी, जो कोचिंग सेंटरों और छात्रावासों के बारे में छात्रों और उनके अभिभावकों की शिकायतों को तुरंत सुनने और उसका निदान करने के लिए एक मीडिएटर की तरह काम करेगा।पढ़ने सुनने में यह प्रयास अच्छे लगते है पर ये कब लागू होंगे इसका कोई उल्लेख नहीं है ।

गौरतलब है कि जनवरी 2023 में विधायक पानाचंद मेघवाल के एक सवाल के जवाब में राजस्थान सरकार ने सदन में बताया कि बीते 4 सालों (2019-22) में कोटा में 52 स्टूडेंट्स ने आत्महत्या की थी। जिसमें से साल 2022 में सर्वाधिक 25 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। इनमें 15 कोचिंग छात्र, 2 स्कूल व 8 कॉलेज छात्र शामिल थे। इन 15 कोचिंग छात्रों में 4 बिहार और 3 छत्तीसगढ़ के थे। बीते एक साल का यह आंकड़ा चिंताजनक था। इंडिया टूडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक कोटा में साल 2023 के मई और जून महीने में 9 युवाओं ने आत्महत्या कर ली है। जबकि जनवरी से लेकर जून महीने तक में आत्महत्याओं की संख्या 16 पहुंच गयी है। छात्र हर साल 5 लाख तक खर्च करते हैं. इंडिया टुडे के अनुसार कोटा में इंजीनियरिंग और मेडिकल उम्मीदवारों के लिए शिक्षक-छात्र अनुपात औसतन 125 छात्रों पर सिर्फ एक शिक्षक है जबकि कोटा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की लागत 1.5 लाख से ?5 लाख प्रति वर्ष आती है। इकोनॉमिक्स टाइम्स के मुताबिक हर साल इंजीनियरिंग के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सालाना 2 लाख से भी ज्यादा छात्र कोटा जाते हैं। जबकि इन छात्रों के कारण यहां के कोचिंग संस्थाओं का कारोबार ?6,000 करोड़ का हो गया है। आत्महत्या के कारण? जनवरी 2023 में विधायक पानाचंद मेघवाल ने कोटा आत्महत्या के कारणों पर सवाल किया था, तब राजस्थान सरकार ने इन आत्महत्याओं के पीछे अलग-अलग कारण बताये थे। सरकार ने स्वीकार किया था कि आत्महत्या का कारण इंटरनल एसेसमेंट, लव अफेयर, ब्लैकमेलिंग और माता-पिता की अधिक महत्वाकांक्षा थी। 15 जनवरी 2023 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के रहने वाले 22 वर्षीय रंजीत ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र के पास सुसाइड नोट मिला। जिसमें लिखा था कि मैं विष्णु का अंश हूं, मैं भगवान से मिलने जा रहा हूं। 26 अप्रैल 2023 को जवाहर नगर थाना क्षेत्र में नीट की तैयारी कर रही 19 वर्षीय एक छात्रा राशि जैन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कोटा डीएसपी अमर सिंह ने इस घटना पर मीडिया को बताया कि मृतका के आत्महत्या के कारण फिलहाल सामने नहीं आये हैं। लेकिन, वह होस्टल में ही रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। अक्सर बीमार रहने के कारण वह पढ़ाई नहीं कर पा रही थी। परीक्षाएं नजदीक थी और कोर्स पूरा नहीं हो हुआ, इसलिए वह तनाव में थी। जानकारी के मुताबिक, राशि अपने परिवार की सबसे छोटी बेटी थी। उसके पिता किसान है। 24 मई 2023 को नालंदा के रहने वाले 16 वर्षीय आर्यन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह 12वीं का छात्र था और नीट की तैयारी कर रहा था। पुलिस को उसके रूम से कुछ नोट्स मिले थे, जिनमें कुछ जगहों पर किसी लड़की का जिक्र किया गया था। 12 मई 2023 को पटना के रहने वाले 17 वर्षीय नवलेश ने हॉस्टल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को उसके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला था जिसमें लिखा था कि सॉरी पापा, मेरी पढ़ाई के लिए आपने बहुत कोशिश की, लेकिन मेरे से नहीं हो पाया।

इंटरनेट की शक्ति का जश्न - डिजिटल इंडिया का इंटरनेट उत्सव

किशन भावनानी गोंदिया

वैश्विक स्तरपर जिस तेजीके साथ इंटरनेट कनेक्टिविटी से डिजिटलाइजेशन बढ़ रहा है और अविश्वसनीय उपलब्धियां प्राप्त हो रही है वह हैरतअंगेज है। हमारी पिछली पीढ़ियों, बुरे बुजुर्गों ने सोचा भी नहीं होगा कि कभी इंटरनेट सुविधा ज्ञान को साझा करने का एकअनिवार्य उपकरण के रूप में इस हद तक उभरेगा। आज इंटरनेट से केवल घर ही नहीं सात समंदर पार अपने परिवारों दोस्तों रिश्तेदारों व्यवसायियों से फेस टू फेस घंटों बात कर सकते हैं। अनेकों पक्ष मिलकर एक साथ वातालाप कर सकते हैं यह तो केवल अपने आम नागरिकों की बात हुई परंतु आज के युग में हर व्यक्ति के जीवन की जीवनशैली मानों वर्चुअल इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ जुड़ गई है। आज हम हजारों मील दूर पर भी वर्चुअल उपस्थित होकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण आज वैश्विक मंचों का वर्चुअल आयोजन होना है, जिसमें हमारे पीएम से लेकर अमेरिकन राष्ट्रपति, एशिया और यूरोपीयन स्टेट्स से लेकर नाटो तक वर्चुअल सभाएं होती है। चूंकि शुक्रवार दिनांक 7 जुलाई 2023 को भारत में इंटरनेट की शक्ति का जश्न मनाने के लिए भारत इंटरनेट उत्सव लांच किया गया है,इसलिए आज हम मीडिया और पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, इंटरनेट कनेक्टिविटी ज्ञान को साझा करने के एक अनिवार्य उपकरण के रूप में उभरा है, नागरिकों के लिए किफायती और उच्च गुणवत्ता वाला इंटरनेट सुनिश्चित करने को रेखांकित करना जरूरी है। साथियों बात अगर हम इंटरनेट की शक्ति का जश्न मनानेडिजिटल भारत का इंटरनेट उत्सव मनाने की करें तोइंटरनेट की परिवर्तनकारी भूमिका को अपनाने के लिए डीओटी मायगोव के सहयोग से भारत इंटरनेट उत्सव मना रहें है, जिसमें नागरिक किसी भी सोशल मीडिया हैंडल पर 2 मिनट तक अपने वीडियो साझा कर सकते हैं कि इंटरनेट ने लोगों के जीवन को कैसे बदल दिया है।भारत इंटरनेट उत्सव या ड्राइव लिंक में अपलोड करें, और उसी लिंक को मायगोव पर सबमिट किया जा सकता है। सर्वश्रेष्ठ कहानियों को 15,000 रुपये तक के पुरस्कार दिए जाएंगे।प्रतियोगिता मायगोव पर 07.07.2023 से 21.08.2023 तक आयोजित की जाएगी। डीओटी त्वरित समावेशी सामाजिक आर्थिक विकास के लिए कभी भी,कहीं भी सुरक्षित, विश्वसनीय, सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली एकीकृत दूरसंचार सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रहा है। इंटरनेट कनेक्टिविटी, ज्ञान को साझा करने और सामाजिक आर्थिक विकास के लिए एक अनिवार्य उपकरण के रूप में उभरा है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) नेयूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड (यूएसओएफ) के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों विशेषकर दूरदराज और व्यावसायिक रूप से अव्यावहारिक क्षेत्रों मेंनागरिकों के लिए किफायती और उच्च गुणवत्ता वाला इंटरनेट सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं।विभिन्न प्रकार के प्रक्रियात्मक, संरचनात्मक और कानूनी सुधार किए गए, जिससे तेजी से रोल आउट हुआ। परिणामस्वरूप नौ महीनों में लगभग एक साइट प्रति मिनट की दर से 2.7 लाख से अधिक 5जी साइटें स्थापित हुईं, जिससे भारत दुनिया के शीर्ष तीन 5जी पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक बन गया।

इंटरनेट की किफायती पहुंच को सक्षम करने के लिए डेटा की लागत लगभग 10 रुपये/जीबी तक कम कर दी गई है।मानवीय कहानियों में दूसरों को प्रेरित करने और सशक्त बनाने की शक्ति है जिससे लोग डिजिटल तकनीक को अपनाने और अपने जीवन में इसी तरह के बदलाव लाने में सक्षम हो सकें। ऐसी कहानियाँ हमें दिखाती हैं कि इंटरनेट ने कैसे अविश्वसनीय तरीके से हमारे देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है।

जल-आपातकाल : उरुग्वे में उलट रहा

उपेन्द्र शंकर

उरुग्वे पिछले साढ़े तीन साल से सदी के सबसे बुरे सूखे से जूझ रहा है। उरुग्वे में बारिश आमतौर पर सर्दियों में ठंडी हवाओं और गर्मियों में बार-बार आने वाले तूफानों का परिणाम होती है, पर इस गर्मी (दिसंबर 2022 से फरवरी 2023) में बहुत कम बारिश हुई। 'राष्ट्रीय मौसम विज्ञान संस्थान' द्वारा जारी जानकारी के अनुसार गर्मी के दौरान औसत वर्षा 126.4 मिमी थी जो औसत वर्षा से 225.4 मिमी कम थी। दक्षिण अमेरिका के दक्षिणी-पूर्वी हिस्से में स्थित देश उरुग्वे के राष्ट्रपति लुइस लैकले पोउ ने पिछले तीन साल, खासकर सात महीने के भीषण सूखे के बाद अभी 19 जून को राजधानी मोंटेवीडियो और महानगरीय क्षेत्र में जल-आपातकाल की घोषणा की है। लंबे समय से सूखे के कारण पानी की आपूर्ति करने वाले विभाग को पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा था। यह सब तब हुआ जबकि उरुग्वे दुनिया के सबसे स्वच्छ, सबसे प्रचुर जलस्रोतों वाले देशों में से एक है। वर्ष 2004 में उरुग्वे ने पानी को निजीकरण से बचाने के लिए संविधान में संशोधन किया था और देश में पानी एक मौलिक मानव अधिकार के रूप में चिह्नित किया गया था।

पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रपति लैकले पोउ ने बताया कि स्थिति को सुधारने और राजधानी के लिए पीने के पानी का एक नया स्रोत प्रदान करने के लिए सैन-जोस नदी पर एक जलाशय के निर्माण की घोषणा की गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जलाशय और इसके पाइपलाइन नेटवर्क पर 20 जून से काम शुरू होगा और यह अधिकतम 30 दिनों में पूरा हो जाएगा।

राष्ट्रपति के मुताबिक 'राज्य स्वच्छता वर्क्स' (सरकारी जलापूर्ति विभाग) द्वारा मई में पानी की कमी दूर करने के लिए ला-प्लाटा नदी (जो अटलांटिक महासागर से जुड़ा एक मुहाना है) से खारा पानी मिलाकर सप्लाई शुरू की गई थी।

इस पानी की विशेष आपूर्ति अस्पतालों, 'बाल एवं किशोर संस्थान' और 'परिवार देखभाल केंद्रों' में की गई थी। घरों में पानी की सामान्य आपूर्ति के बारे में राष्ट्रपति ने कहा कि यह पहले की तरह जारी रहेगा, लेकिन चेतावनी दी कि इसकी गुणवत्ता और भी खराब हो सकती है जिसके बारे में लोगों को प्रतिदिन सूचित किया जाएगा।

35 क्वार्टर शराब समेत एक दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक सरधुवा दीपेन्द्र सिंह की अगुवाई में दरोगा दिनेश कुमार पांडेय की टीम ने बच्चा सिंह पुत्र अमर सिंह निवासी वीर धुमाई सुर्की के कब्जे से 35 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में दरोगा दिनेश कुमार पांडेय, सिपाही महेंद्र, धर्मेन्द्र शामिल रहे।

राजापुर पुलिस ने चार को दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक राजापुर भास्कर मिश्रा की अगुवाई में वरिष्ठ दरोगा रामवीर सिंह की टीम ने वांछित विरंजन पुत्र गोविन्द, रुपलाल, मुरलीधर उर्फ मुरली उर्फ बाबूजी पुत्रगण नत्थु, राममिलन उर्फ अतहर पुत्र गोविन्द निवासी सरायं तलैया कस्बा राजापुर को गिरफ्तार किया। टीम में वरिष्ठ दरोगा रामवीर सिंह, सिपाही उमेन्द्र त्रिपाठी शामिल रहे।

धान खरीद को करायें पंजीकरण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने बताया कि धान खरीद 2023-24 के तहत सरकारी धान खरीद केन्द्रों पर सीधे किसानों से एक नवम्बर से धान खरीद होगी। सरकारी धान खरीद केन्द्रों पर धान बेचने को किसानों को ऑनलाइन पंजीकरण आवश्यक है।

शनिवार को उन्होंने बताया कि धान खरीद को पंजीकरण एक जुलाई से 31 अगस्त तक होगा। धान बिक्री को पंजीकरण कराने को खाद्य विभाग की बेवसाइट अथवा विभाग के मोबाइल एप पर जाकर पंजीकरण करना होगा। जिन किसानों ने पिछले वर्षों में धान/गेहूं खरीद पंजीकरण कराया था, उन्हें नवीन पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए पुराने पंजीकरण से सूचनाओं को संशोधित करना होगा। धान बिक्री को पंजीकरण व्यवस्था ओटीपी आधारित है।

पक्षकारों को दिलाये पैंतीस लाख 40 हजार रुपये

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अपर जिला जज/सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर शनिवार को मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद मामलों के निस्तारण बाबत विशेष लोक अदालत पीठासीन अधिकारी दिनेश चन्द्र ने लगाई। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण की अध्यक्षता में हुई। पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने 24 वादों का निस्तारण कर प्रतिकर पैंतीस लाख चालीस हजार रुपये पक्षकारों को दिलाये।

डीएम ने देखा पहाडी-बिसंडा सडक मार्ग

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड के निमार्णाधीन पहाड़ी-बिसंडा सड़क मार्ग का निरीक्षण किया। उन्हें सहायक अभियंता ने बताया कि पहाड़ी-बिसंडा मार्ग 30 किमी का निर्माण हो रहा है।

शनिवार को जिलाधिकारी को सहायक अभियंता ने बताया कि बागे नदी के पास पांच सौ मीटर सड़क का कार्य शेष है। पहाड़ी-नांदी की तरफ चार किमी सड़क पर कार्य चल रहा है। शेष सड़क का निर्माण कार्य पूरा है। जिलाधिकारी ने संपर्क मार्ग के किलोमीटर 62 में निर्माण कार्य की खुदाई कराकर गुणवत्ता की जांच कराई। सड़क की थिकनेस एवं गुणवत्ता सही मिली। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो कार्य शेष हैं, तत्काल शासन की मंशानुसार समय सीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण करायें। इस मौके पर डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम के निर्देश पर सूचना अधिकारी कार्यालय परिसर की हुई सफाई

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत जिला सूचना कार्यालय परिसर में साफ-सफाई कराई गई।

शनिवार को जिला सूचना अधिकारी सुरेंद्र कुमार की अगुवाई में नगर पालिका परिषद कर्वी के सफाई नायक दुलीचंद ने पालिका के सफाई कर्मियों से पूरे परिसर की साफ-सफाई, झाड़-झाड़ियां कटवाकर जलभराव समाप्त कराया। उल्लेखनीय है कि यहां पर नगर पालिका शहर में हुए अतिक्रमण का मलबा फेंकता था। इससे सूचना अधिकारी कार्यालय परिसर में चैतरफा गन्दगी फैली थी।

पिछले दिनों जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने पुस्तकालय भवन का निरीक्षण किया था। निरीक्षण दौरान उन्होंने यहां फैली गन्दगी देखी थी। गन्दगी देखकर जिलाधिकारी ने तत्काल साफ-सफाई के निर्देश ईओ नगर पालिका को दिये थे। उनके निर्देश पर सूचना अधिकारी कार्यालय परिसर की साफ-सफाई की गई।

पार्टी से सर्वोपरि नहीं है कोईः अनिल प्रधान

सपा की हुई मासिक बैठक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव ने सपा जिला कार्यालय में मासिक बैठक पूर्व सांसद बालकुमार सिंह पटेल व सदर विधायक अनिल प्रधान के मुख्य आतिथ्य में हुई। बैठक में मतदाता पुनरीक्षण कार्य एवं सेक्टर बूथ कमेटी को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

शनिवार को सपा जिला कार्यालय में हुई बैठक में जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव ने कहा कि जिले की दोनों विधानसभाओं में न्याय पंचायत वार सम्मेलन बुलाकर बूथ कमेटियों को मजबूत किया जायेगा। जिलाध्यक्ष ने पहली बैठक में कहा कि जिला कार्यालय में सभी का सम्मान है और होता रहेगा। पूर्व सांसद बाल कुमार सिंह पटेल ने कहा कि वे कार्यकताओं की हर स्तर पर मदद करेंगे। कोई भी अधिकारी या कर्मचारी परेशान करे तो उन्हें बतायें। सदर विधायक अनिल प्रधान ने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव की बेदाग छवि है। विधायक-

सांसद पार्टी से बनते हैं। पार्टी से सर्वोपरि कोई नहीं है। बैठक में सपा नेता अनिल शर्मा, मो गुलाब खां, नरेन्द्र यादव, मदन त्रिपाठी, सीताराम कश्यप, सिद्धार्थ पाण्डेय, निजाम सिद्दीकी, अरशद खां आदि ने विचार व्यक्त किये। बैठक में लवलेश यादव, अश्वनी, विक्की, हीरालाल पटेल, संतोष यादव, फूलचन्द्र यादव, रामकिशोर यादव, उमाकान्त, अमर पटेल, गोपीचन्द्र यादव, मंगल यादव, रामकिशोर विश्वकर्मा, अभिलाष यादव, राधेश्याम निषाद, शीलू यादव, महिला सभा जिलाध्यक्ष रमा यादव, राजकुमारी निषाद, प्रेमलता, अमिता, उमा, सुनीता आदि मौजूद रहे।

विस्थापित गहोरा खास के ग्रामीणों की समस्याओं पर हुई चर्चा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। प्रभास महासभा ने गुन्ता बांध विस्थापित गांव गहोरा खास के ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर बैठक में चर्चा की।

शनिवार को प्रभास महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लवलेश विराग की अध्यक्षता में हुई बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि 1975-76 में गुंता बांध निर्माण दौरान पूर्वजों को विस्थापित कर रैपुरा गांव में बसाया गया था। विस्थापितों को केवल घर बनाने को डेढ़-डेढ़ बिसवा जमीन दी गई थी। खेती को किसी को भी जमीन नहीं दी गई थी। ग्रामीणों को तमाम परेशानी का

सामना करना पड़ रहा है। गहोरा खास में अभी भी साठ प्रतिशत ग्रामीणों के कच्चे घर बने हैं। आवास योजना का भी लाभ नहीं मिला। गहोरा खास के विस्थापितों को विस्थापन नीति के तहत सुविधाएं नहीं मिलीं। गहोरा खास में पेयजल की भारी किल्लत है। नेशनल हाईवे के निर्माण दौरान पेयजल आपूर्ति बंद कर दी गई थी। तबसे स्थिति जस की तस है। गहोरा खास के ग्रामीण विस्थापित होने से भूमिहीन हैं। उनके पास आय का कोई स्त्रोत नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार जिला प्रशासन के अधिकारियों से समस्यायें बताई हैं। किसी जिम्मेदार ने ठोस कदम नहीं उठाया। प्रभास महासभा राष्ट्रीय महासचिव साधना मिश्रा ने कहा कि गहोरा खास के ग्रामीण परेशान न हों, समस्याओं को शासन-प्रशासन तक उठाया जाएगा। निराकरण जल्द कराने के प्रयास किये जायेगे। संचालन ब्लॉक अध्यक्ष केदारनाथ ने किया।

पुलिस ने दो परिवारों को टूटने से बचाया

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर सामाजिक रिश्तों को बचाने को हो रहे प्रयास में पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र ने दो दम्पत्तियों के विवाद को सुलह से समाप्त कराकर परिवार को टूटने से बचाया।

शनिवार को पहाडी थाने के बरेठी रोड निवासी श्रीमती रुबी पुत्री राकेश ने पति नीरज पुत्र बसन्तलाल निवासी बीरा थाना कमासिन जिला बांदा के दहेज की मांग को लेकर मारपीट करने तथा

रैपुरा थाने के देउंधा गांव की श्रीमती ज्योति पुत्री भोला प्रसाद ने पति श्याम सुन्दर गुप्ता पुत्र कामता प्रसाद निवासी पहरा थाना भरतकूप के ससुराल पक्ष के दहेज की मांग को लेकी मारपीट करने की बाबत पुलिस अधीक्षक को पत्र सौंपा था।

पुलिस अधीक्षक ने पत्रों के निस्तारण को प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र भेजा था। प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र निरीक्षक श्रीमती रीता सिंह ने शिकायतकताओं की शिकायत को विस्तार से समझकर दूसरे पक्षों को पुलिस कार्यालय बुलाया। यहां दोनो पक्षों को भविष्य में विवाद न करने तथा पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करने की बात कही। आपसी सुलह होने पर दोनों दम्पत्ति जोडे प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र के साथ तालमेल से रहने का वायदा किया। टीम में प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र निरीक्षक श्रीमती रीता सिंह, महिला सिपाही सुरुचि चैधरी, शिवांगनी श्रीवास्तव शामिल रहीं।

आज ही मौके पर जाकर निपटायें समस्यायें: डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द व पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला की मौजूदगी में थाना समाधान दिवस पहाड़ी में हुआ।

शनिवार को जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी एवं थानाध्यक्ष पहाड़ी से कहा कि राजस्व व पुलिस टीम गठित कर भूमि संबंधी मामले में आज ही मौके पर जाकर निस्तारण करायें। अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं को शासन की मंशानुसार समय सीमा के भीतर हल करे। सीओ चकबंदी अनंत सिंह को निर्देश दिए कि चकबंदी के मामले थाना समाधान दिवस में

मिले हैं। लेखपालों की टीम बनाकर समस्या ग्रस्त व्यक्तियों की भूमि की पैमाइश करायें। पालेश्वरनाथ मंदिर की जितनी जमीन शासकीय दर्ज है, उसकी पैमाइश कराकर अवैध कब्जा हटायें। थाना पहाड़ी में जो वाहन सीज और रोड एवं परिसर में खड़े हैं, पहाड़ी कस्बे के आसपास की शासकीय भूमि चिन्हित कर थानाध्यक्ष को दिलायें।

उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि थाना समाधान दिवस में मिली समस्याओं को समय सीमा के भीतर निस्तारित कर समस्या ग्रस्त व्यक्ति को अवगत करायें। थाना समाधान दिवस पर उप जिलाधिकारी राजापुर प्रमोद कुमार झा, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, सीओ चकबंदी अनंत सिंह, नायब तहसीलदार कर्वी रामानंद मिश्रा, मंगल सिंह, राजापुर पुष्पेंद्र सिंह, थानाध्यक्ष पहाड़ी नागेंद्र कुमार नगर आदि मौजूद रहे।

उप्र किसान सभा का राज्य प्रशिक्षण शिविर शुरू

पहले दिन किसान सभा के इतिहास पर डाली रोशनी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश किसान सभा के राज्य प्रशिक्षण शिविर आठ, नौ, दस जुलाई के पहले दिन किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अशोक ढबले ने किसान सभा के आजादी के पहले और बाद के इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

शनिवार को राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर में किसान सभा के राज्य प्रशिक्षण शिविर के शुभारम्भ पर अतिथियों का माल्यार्पण किसान सभा के प्रान्तीय कार्यकारिणी सदस्य का रुद्र प्रसाद मिश्र, ओमप्रकाश सिंह, अजय सिंह आदि ने किया। शुभारम्भ के बाद किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अशोक ढबले ने किसान सभा के आजादी के पहले और बाद के इतिहास पर विस्तार से

रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि माकपा की किसान सभा देश की सबसे पुरानी किसान सभा है। किसानों के हितों के लिए किसान सभा हमेशा समर्पित रही है।

दूसरे सत्र में डॉ विकास रावल ने भारत में कृषि संकट के आयाम और समाधान पर रोशनी डाली। इस मौके पर उप्र किसान सभा के का मुकुट सिंह समेत तकरीबन सौ लोग बाहर से आये थे। किसान सभा का राज्य प्रशिक्षण शिविर यहां तीन दिनों तक चलेगा। शिविर की पूरी व्यवस्था का रुद्र प्रसाद मिश्र संभाले हुए हैं।

पैसा मांगने पर युवक को दबंगों ने घर बुलाकर पीटा

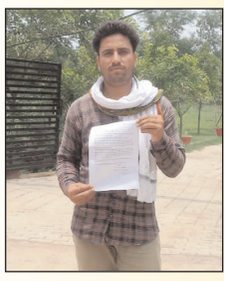

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। ड्यूटी का पैसा मांगना एक युवक को भारी पड़ गया। पैसा देने के बहाने पहले युवक से टालमटोल करते रहे। युवक के जोर देने पर आरोपियों ने घर बुलाकर उसके साथ मारपीट और छीना-झपटी की। पीड़ित के खिलाफ थाने में तमंचा दिखाकर मारपीट की तहरीर दे दी।

शनिवार को छीबो गांव के उमाकांत मिश्रा ने रैपुरा थाने में दी तहरीर में कहा कि थाना क्षेत्र के अमरपुर गांव के रोहित द्विवेदी पुत्र चंद्रभान द्विवेदी ने मई 2023 में उसे नौकरी देने के बहाने गुजरात के अहमदाबाद गांधीनगर स्थित ताज होटल में सिक्योरिटी गार्ड पर लगवा दिया था। 14 घंटे के 18 हजार देने की बात हुई थी। दो माह काम करने के बाद 22 हजार रुपये मिले। एक माह बाद शेष धनराशि लेने को रोहित से दबाव बनाया तो रोहित द्विवेदी ने फोन बंदकर गांव अमरपुर चला आया। चार जून को रोहित से बात के बाद वह सवेरे नौ बजे रोहित द्विवेदी के घर गया। रोहित घर में नहीं मिला। फोन से बात करने पर राजापुर में मिलने की बात कही। राजापुर पहुंचने पर फिर घर बुलाया। शाम चार बजे वह घर पहुंचा तो करौंदी के ब्रम्हानंद द्विवेदी पुत्र अमरजीत वहां मिले। पूंछने पर बताया कि रोहित के पास पांच हजार रुपये उसके भी शेष हैं। रोहित के पिता ने पैसा लौटाने के बहाने कई घंटे तक बैठाये रहे। रात लगभग आठ बजे पैसा मांगने पर रोहित ने दबंगई दिखाते हुए पिता, चाचा व मां के साथ मिलकर मारपीट की। उमाकांत ने थानाध्यक्ष रैपुरा से मदद की गुहार लगाते हुए पैसे वापस दिलाने की बात कही।

किसानों की समस्याओं का समाधान किए जाने की मांग

नगीना। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की मासिक पंचायत गन्ना सोसायटी के प्रांगण में संपन्न हुई किसान पंचायत की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष कुंवर हर्षवर्धन सिंह ने की व संचालन डॉक्टर देवेंद्र सिंह ने किया पंचायत के पश्चात भाकियू आराजनीतिक के कार्यकताओं ने 9 सूत्री मांग पत्र उप जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में तहसीलदार को सौंपकर किसानों की समस्याओं का समाधान किए जाने की मांग की है।

मंगलवार को भाकियू कार्यकताओं द्वारा एसडीएम के अनुपस्थिति में तहसीलदार जयेंद्र सिंह को सौंपे गये ज्ञापन में सभी सहकारी समितियों में यूरिया खाद उपलब्ध कराए जाने , तहसील में लंबित विरासत व दाखिल खारिज अविलंब कराने , तहसील में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने , किसानों से संबंधित बंदपडी चकरोड को खुलवाये जाने, गौशाला में रह रहे पशुओं को चारा उपलब्ध करायें जाने, आवंटित पट्टो पर किसानों को कब्जा दिलाया जाने , बिजली की जर्जर लाइनों को बदलवाये जाने आदि समस्याओं को शीघ्र दूर कराए जाने की मांग की गई है तथा समस्याओं का समाधान ना होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

ज्ञापन देने वालों में ब्लॉक अध्यक्ष कोतवाली रावेन्द्र राठी, बढ़ापुर ब्लॉक अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह तहसील अध्यक्ष चौधरी नमेंद्र सिंह , नगर अध्यक्ष कुंवर हर्षवर्धन सिंह सिंह मुन्नू चौधरी टोनी प्रधान आशीष चौधरी सुखराम सिंह पदम सिंह मारूफ टिकेंद्र सिंह रामपाल सिंह राहुल सिंह ज्ञान सिंह संजीव खुर्रम पुर राजेंद्र चौधरी अतीक अंसारी स्माइल छोटे भाई मानसिंह महिपाल सिंह नागेंद्र जाट नफीस वसीम सहित भाकियू के दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे।

सड़क के किनारे सो रहे मजदूर को ट्रक ने रौंदा, मौके पर ही मौत

वाराणसी। मडुवाडीह थाना क्षेत्र के महेशपुर में निमार्णाधीन जीटी रोड सिक्स लेन सड़क पर सो रहे मजदूर को ट्रक ने गुरुवार की रात कुचल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों के साथ ही घटनास्थल पर पहुंचे लोगों ने जमकर हंगामा किया

मौके पर पहुंचे मडुआडीह थानाध्यक्ष ने समझाकर लोगों को शांत कराया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मडुवाडीह थाना के शिवदासपुर सिंधुरिया कालोनी निवासी सिकन्दर राजभर उर्फ भीम (26) ट्रांसपोर्ट एरिया में पल्लेदारी का काम करता था। गुरुवार की रात वह सड़क किनारे सोया था। इसी दौरान बैक हो रहा ट्रक का पहिया उसके ऊपर चढ़ गया इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी परिजनों को मिली तो रोते-बिलखते घटनास्थल पर पहुंच गए घटनास्थल पर जुटे लोगों ने जमकर हंगामा किया। सूचना के बाद मडुआडीह एसओ मौके पर पहुंचे।

उन्होंने समझाकर लोगों को शांत कराया सिकन्दर की शादी चार वर्ष पूर्व चौरी, भदोही निवासी ज्योति राजभर से हुई थी। दोनों से कोई संतान नहीं थी। सिकन्दर की मां धन्नी देवी की मृत्यु डेढ़ माह पूर्व ही हुई थी घटना के बाद पत्नी, पिता शंकर, छोटे भाई शेखर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

विदेश में नौकरी के नाम पर 30 लाख ठगे, तीन शातिरों की तलाश में जुटी कानपुर पुलिस, सुराग अबतक नहीं

कानपुर। इस महानगर में आजकल एक ऐसा भी गिरोह सक्रिय है जो विदेशों में नौकरी लगवाने के नाम पर लोगों को अपना शिकार बनाता है। ऐसे ही गिरोह के तीन युवकों ने विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर 30 लाख लेकर चम्पत हो गये। पुलिस उनकी तलाश कर रही है लेकिन अब तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

30 लाख से भी अधिक की ठगी का शिकार हुए गुजैनी के मर्दनपुर निवासी नसीम ने बताया कि उन्हें विदेश में होटल में नौकरी करने का विज्ञापन सोशल मीडि?या पर दिखाई दिया, जिसके बाद उन्होंने अपना बायोडाटा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया।

पीड़ित ने बताया कि कुछ समय बाद उनके पास एक युवक की कॉल आई, जिसने कनाडा में नौकरी दिलाने की बात की।

ब्राजील में इमारत ढही, दो बच्चों समेत आठ की मौत

साओ पाउलो। ब्राजील के उत्तर-पूर्वी राज्य पर्नामबुको की राजधानी रेसिफ में एक इमारत ढह गई। इसमें कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई। नागरिक सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में

एक आठ वर्षीय और एक पांच वर्षीय बच्चे भी शामिल हैं। पर्नामबुको के नागरिक सुरक्षा सचिव ने कहा कि शाम सात बजे यह हादसा राजधानी रेसिफ के बाहरी इलाके जंगा पड़ोस में हुआ। मलबे से चार लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। लगभग 15 लाख लोगों का तटीय शहर रेसिफ हाल के दिनों में भारी बारिश से जूझ रहा है।

डॉ. एस जयशंकर ने तंजानिया में क्षेत्रीय राजदूत कॉन्फ्रेंस में भाग लिया

दार एस सलाम। भारत के विदेशमंत्री डॉक्टर एस जयशंकर ने यहां क्षेत्रीय राजदूत कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। इस सम्मेलन में अंगोला, बुरुंडी, कांगो, स्वाजीलैंड, इथियोपिया, केन्या, लेसोथो, मोजाम्बिक,

मलावी, नामीबिया, रवांडा, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका, युगांडा, जाम्बिया और जिम्बाब्वे के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विदेशमंत्री ने ट्वीट कर कहा कि यह सम्मेलन व्यापक क्षेत्रीय रणनीति तैयार करने में सहायक रहा। इस दौरान उन्होंने अफ्रीका और ग्लोबल साउथ के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। इससे पहले जयशंकर ने दार एस सलाम में स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र में स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा निश्चित रूप से स्वामी विवेकानंद की मानवता से भरी उनकी शिक्षाओं की गवाह बनेगी।

प्रवासन नीति पर सहमति न बनने से डच सरकार का पतन

हेग,। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रुटे ने यहां अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने यह कदम गठबंधन सरकार में प्रवासन नीति पर सहमति न बनने के कारण उठाया। इसी के साथ डच सरकार का पतन हो गया। इससे पहले रुटे की अध्यक्षता में संकट वार्ता में चार सहयोगी दलों ने हिस्सा लिया। इसमें कोई सहमति नहीं बन सकी। रुटे के नेतृत्व में गठबंधन सरकार का गठन डेढ़ साल पहले हुआ था। कुछ समय से प्रवासन नीति पर सरकार में शामिल दलों के बीच मतभेद पनपने लगे थे। मार्क रुटे देश में लंबे समय तक सत्ता में रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह शनिवार को किंग विलेम अलेक्जेंडर को अपना इस्तीफा सौंप देंगे। रुटे ने कहा कि शरद ऋतु में चुनाव होंगे। नए चुनाव होने तक सभी मंत्री कार्यवाहक कैबिनेट के रूप में काम करेंगे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा-यह कोई रहस्य नहीं है कि प्रवासन नीति पर गठबंधन सहयोगियों के विचार अलग हैं। और आज, दुर्भाग्य से, हमें यह निष्कर्ष निकालना होगा कि वे मतभेद अप्रासंगिक हैं। इस सप्ताह सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल दो दलों क्रिश्चियन यूनियन पार्टी और मध्यमार्गी डी 66 ने इस मसले पर रुटे की नीतियों का विरोध करने का फैसला किया था। इस घटनाक्रम पर क्रिश्चियन यूनियन पार्टी ने कहा है कि वह मानवीय और प्रभावी प्रवासन नीति के लिए दिल और आत्मा से काम करना चाहती है।

26 साल की कोशिश सफल, दुनिया से रासायनिक हथियार खत्म

हेग। दुनिया को रासायनिक हथियारों से मुक्त करने के लिए 26 साल तक चली कोशिश सफल हो गयी है। रासायनिक हथियार निषेध संगठन (ओपीसीडब्ल्यू) ने कहा कि दुनिया में सभी रासायनिक हथियार खत्म हो गए हैं।

रासायनिक हथियार निषेध संगठन यानी ऑर्गनाइजेशन फॉर प्रॉहिबिशन ऑफ केमिकल वीपन्स (ओपीसीडब्ल्यू) पूरी दुनिया से रासायनिक हथियारों की मुक्ति पर नजर रखने का काम करता है। इसके लिए वर्ष 1997 से विशेष अभियान शुरू किया गया था। 26 साल की कोशिशों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने घोषणा की है कि केंटुकी में अमेरिकी सेना के केंद्र ब्लू ग्रास आर्मी डिपो ने अपने दशकों पुराने स्टॉक को खत्म कर दिया है, जिससे दुनिया को

रासायनिक हथियारों से छुटकारा दिलाने के लिए 1997 में शुरू किया गया वैश्विक प्रयास पूरा हो गया है। इसके बाद ओपीसीडब्ल्यू के प्रमुख फर्नांडो एरियास ने कहा कि अमेरिका द्वारा अपने आखिरी जहरीले हथियारों से छुटकारा पाने की घोषणा किये जाने के बाद सभी घोषित भंडार अपरिवर्तनीय रूप से नष्ट हो गए हैं। फर्नांडो एरियास ने कहा कि सभी घोषित रासायनिक हथियारों के भंडार का विनाश इस दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अमेरिका रासायनिक हथियारों के अंतिम स्वामित्व वाला देश था। अब अमेरिका द्वारा की गयी घोषणा का मतलब है कि सभी घोषित रासायनिक हथियारों के भंडार को अपरिवर्तनीय रूप से नष्ट कर दिया गया है। हालांकि ओपीसीडब्ल्यू ने चेतावनी दी कि रासायनिक हथियारों के हालिया उपयोग का मतलब है कि दुनिया को अभी भी सतर्क रहना होगा। हाल ही में सीरिया पर उसके गृहयुद्ध के दौरान रासायनिक हमले करने का आरोप लगाया गया था। एरियास ने चेतावनी दी कि हाल ही में हथियारों के रूप में जहरीले रसायनों के उपयोग और धमकियों से पता चलता है कि इसे दोबारा उभरने से रोकना संगठन के लिए प्राथमिकता रहेगी।

ईरान के शिराज शहर की शाह चेराघ दरगाह पर हुए आतंकी हमले में दो को फांसी दी गई

शिराज। ईरान के दक्षिणी शहर शिराज में पिछले साल 26 अक्टूबर में शिया धर्मस्थल शाह चेराघ दरगाह पर हुए आतंकवादी हमले के आरोप

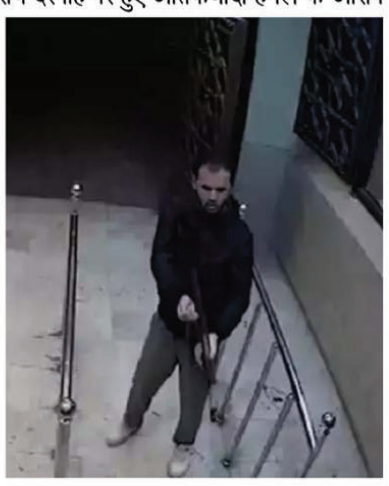

में शनिवार सुबह दो लोगों को फांसी दे दी गई। इस हमले में कम से कम 13 लोग मारे गए थे। हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट ने ली थी। ईरान के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक दोनों दोषियों मोहम्मद रमेज रशीदी और नईम हशम घोटाली को शाह चेराघ दरगाह के पास ही फांसी दे दी गई। इस हमले में महिलाओं और बच्चों सहित 13 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। दोनों के खिलाफ प्रारंभिक फैसला 16 मार्च, 2023 को आया था। तब दोनों आतंकवादियों के वकीलों ने इसके खिलाफ अपील की। हमले में दोनों आतंकवादियों की प्रत्यक्ष भूमिका साबित होने के बाद ईरान के सर्वोच्च न्यायालय ने प्रारंभिक फैसले पर मुहर लगाई।

पाकिस्तान-चीन को जोड़ने वाला काराकोरम राजमार्ग कई जगह अवरुद्ध, दोनों छोरों पर हजारों वाहनों में लोग फंसे

इस्लामाबाद। काराकोरम राजमार्ग पर कई जगह भारी भूस्खलन हुआ है। इस वजह से यह राजमार्ग अवरुद्ध है। पिछले 24 घंटे से इस राजमार्ग के दोनों छोरों पर हजारों वाहन फंसे हुए हैं। काराकोरम पर्वत श्रृंखला के बीच से गुजरता यह राजमार्ग चीन और पाकिस्तान को खुंजराब दर्रे के माध्यम से जोड़ता है। यहां इसकी ऊंचाई समुद्र तल से 4693 मील (15397 फीट) है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के उप निदेशक गुलाम अब्बास ने कहा है कि काराकोरम राजमार्ग जिजल, पट्टन, उचर नाला और अन्य क्षेत्रों में अवरुद्ध हुआ है। फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गनाइजेशन बाधाओं को दूर कर रहा है। इससे पहले बरसात और बाढ़ में चीन में प्रवेश करने से पहले पंजाब को गिलगित-बाल्टिस्तान से जोड़ने वाला यह राजमार्ग जीबी और खैबर पख्तूनख्वा में अवरुद्ध हो चुका है। दुर्भाग्य से पिछले साल अगस्त में बाढ़ में बह गए उचर नाले पर पुल का पुनर्निर्माण अभी तक नहीं कराया है। अब्बास ने कहा कि साइट पर एक निर्माणाधीन पुल आज से यातायात के लिए खोला जा रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाढ़ के कारण इस क्षेत्र में कई लिंक सड़कें भी अवरुद्ध हो गईं। काराकोरम राजमार्ग के अवरुद्ध होने के कारण जीबी और कोहिस्तान का आपस में संपर्क कट

गया है। ऊपरी कोहिस्तान की हरबन तहसील के अध्यक्ष असदुल्ला खान ने कहा कि भारी बारिश के बाद नदियां उफान पर हैं। आवागमन के सारे रास्ते बंद हैं। जलापूर्ति योजनाएं क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उन्होंने कहा कि गिलगित-बाल्टिस्तान और इस्लामाबाद जाने वाले हजारों यात्री काराकोरम राजमार्ग पर फंसे हुए हैं। उचर नाला, बसारी और गादून में भी राजमार्ग अवरुद्ध है। काराकोरम राजमार्ग को हरबन घाटी से जोड़ने वाली सड़क बह गई है।इस बीच पाकिस्तान के मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले दिनों में देशभर में भारी बारिश और शहरों में बाढ़ का पूर्वानुमान जारी किया है। उल्लेखनीय है कि काराकोरम राजमार्ग पाकिस्तान नियंत्रित कश्मीर के गिलगित-बाल्तिस्तान के साथ चीन के शिंजियांग क्षेत्र को जोड़ता है। इस राजमार्ग को आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान में एन-35 और चीन में राष्ट्रीय राजमार्ग जी 314 के नाम से जाना जाता है। यह बीस साल में बनकर तैयार हुआ था। 1986 में इसे खोला गया। इसे पाकिस्तान और चीन ने मिल कर बनाया है। इसकी लंबाई 1300 किलोमीटर है। यह चीन के शहर काशगर से शुरू होता है। यह सीमा पार करके पाकिस्तान नियंत्रित कश्मीर में सोस्त नामक चौकी पर पहुंचता है। यहां से हुंजा, गिलगित, चिलास, दासू, बेशाम, मानसेहरा, ऐबटाबाद, हरिपुर (हजारा) से होता हुआ हसन अबदाल में जीटी रोड से मिलता है।

गोपनीय दस्तावेजों के मसले पर ट्रंप के करीबी भी रहते थे चिंतित, पूर्व सहयोगी ने किया ये खुलासा

वाशिंगटन। एनबीसी न्यूज ने माइल्स टेलर की किताब की एक प्रति के हवाले से खबर दी है कि तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने संवाददाताओं से बात करते हुए गोपनीय सूचनाओं के संबंधन सावधानी नहीं बरती। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टजेन नीलसन के शीर्ष सहयोगी माइल्स टेलर ने उस घटना को याद किया जब अधिकारी ट्रंप के इस व्यवहार के बाद चिंतित थे। डोनाल्ड ट्रम्प के सहयोगियों का मानना था कि उन्हें राज्य के गोपनीय दस्तावेजों और संवेदनशील रिकॉर्ड के प्रति अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। माइल्स टेलर ने कहा कि उन्होंने प्रेस लीक को रोकने के लिए व्हाइट हाउस के सहयोगियों के फोन टैप करने में डोनाल्ड ट्रम्प की दिलचस्पी के बारे में सुना था। ट्रंप इस बात पर अपने सहयोगियों से नाराज थे।माइल्स टेलर ने 18 अक्टूबर 2018 की उस घटना का वर्णन किया है जब वह तत्कालीन डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन के साथ वेस्ट विंग में एक निजी बैठक में मौजूद थे। व्हाइट हाउस की तत्कालीन प्रेस सचिव सारा हकाबी सैंडर्स जॉन बोल्टन के कार्यालय में आईं और उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ओवल ऑफिस में दिए गए एक साक्षात्कार का वर्णन किया जहां उन्होंने तुर्की में सऊदी हत्यारों

की ओर सेमारे गए पत्रकार जमाल खशोगी के बारे में पत्रकारों से बात की थी।सारा सैंडर्स ने जॉन बोल्टन को बताया कि राष्ट्रपति ने जमाल खशोगी की मौत पर खुफिया जानकारी से संबंधित गोपनीय दस्तावेज उठाए थे और उन्हें प्रदर्शित किया था। किताब में दावा किया गया है कि जॉन बोल्टन पहले तो चिंता में पड़ गए लेकिन जब सारा सैंडर्स ने उन्हें बताया कि कमरे में कोई कैमरा नहीं है तो उन्होंने राहत की सांस ली। माइल्स टेलर लिखते हैं, ÷फिर भी हम सभी प्रोटोकॉल में चूक और गोपनीय जानकारी के मामले में बरती गई लापरवाही से चिंतित थे।' एक साक्षात्कार में, जॉन बोल्टन ने कहा था कि जब डोनाल्ड ट्रम्प को ब्रीफिंग मिलती थी, तो सहयोगी ÷उन्हें ग्राफिक्स दिखाते थे और यही वह जगह थी जहां उनके द्वारा कुछ पकड़ने और इसे रखने का खतरा था।÷ जॉन बोल्टन ने कहा, ÷डोनाल्ड ट्रम्प को उन्हें दी गई सामग्री वापस करने के लिए कहना इतना आसान नहीं था, वह संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति थे।÷ उन्हें यह कैसे कहा जा सकता था कि 'राष्ट्रपति महोदय, चलो स्पष्ट हो जाएं। हमें आप पर भरोसा नहीं है। हमें दस्तावेज वापस दीजिए।' डोनाल्ड ट्रम्प को पद छोड़ने के बाद गोपनीय दस्तावेजों को अपने पास रखने से जुड़े आपराधिक आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। 2021 की बातचीत के संपादित प्रतिलिपि में डोनाल्ड ट्रम्प एक संवेदनशील सैन्य दस्तावेज पर भी चर्चा करते दिखाई दिए, उस दौरान उन्होंने ईरान के खिलाफ 'हमले की योजना' के से जुड़े एक दस्तावेज का जिक्र किया था।

अमेरिका में वॉलमार्ट नरसंहार के दोषी को 90 आजीवन कारावास की सजा

ह्यूस्टन। टेक्सास के एल पासो वॉलमार्ट में 2019 में 23 लोगों की हत्या करने वाले बंदूकधारी पैट्रिक क्रूसियस को एक संघीय न्यायाधीश ने लगातार 90 आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अभियोजकों ने 24 वर्षीय श्वेत 'वर्चस्ववादी' पैट्रिक क्रूसियस को घृणा अपराध और आग्नेयास्त्र अपराधों सहित

90 संघीय आरोपों में से प्रत्येक के लिए लगातार आजीवन कारावास की सजा देने की सिफारिश की थी। मुकदमे की सुनवाई के दौरान पैट्रिक ने अपना गुनाह कुबूल कर लिया था। पैट्रिक ने सुनवाई की शुरुआत में जरूर आरोपों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। अभियोजकों के संकेत दिए जाने के बाद कि वे मौत की सजा की मांग नहीं करेंगे, तब उसने फरवरी में अपना अपराध स्वीकार किया। तीन अगस्त, 2019 को बंदूकधारी पैट्रिक की गोलियों की बौछारों में 21 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हो गए थे। अमेरिकी जिला न्यायाधीश डेविड गुआडेरमा ने एल पासो शहर में तीन दिन तक चली सुनवाई के बाद फैसला सुनाया।

नेपाल में उद्धव थापा की मुख्यमंत्री पद पर नियुक्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची यूएमएल

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। इसमें एक वोट स्पीकर का भी है। सीपीएन (यूएमएल) का तर्क है कि यह संविधान के खिलाफ है।

विधानसभा स्पीकर बाबूराम गौतम ने कहा है कि वह मुख्यमंत्री का समर्थन करने के लिए स्पीकर पद से इस्तीफा भी दे सकते हैं। हालांकि यदि ऐसा हुआ तो स्पीकर का पद विपक्ष के पास जाने की संभावना है। सीपीएन (यूएमएल) के हिकमत कार्की को दो दिन पहले विधानसभा में विश्वासमत हासिल करने में विफल रहने पर मुख्यमंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया था। इसके बाद मुख्यमंत्री पद पर उद्धव थापा को नियुक्त किया गया।

मिलान के वृद्धाश्रम में भीषण आग, छह बुजुर्गों की मौत, दर्जनों घायल

मिलान। इटली के मिलान में स्थित एक वृद्धाश्रम में आधी रात के बाद लगी भीषण आग से छह बुजुर्गों की मौत हो गयी। दर्जनों बुजुर्ग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों का मानना है कि अभी मृतक संख्या बढ़ सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मिलान के दक्षिणी आवासीय इलाके में स्थित कासा देई कोनियुगी वृद्धाश्रम के लिए बीती रात मौत का मंजर लेकर आई। इस वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्ग रात का भोजन कर सो गए थे, तभी आधी रात के बाद करीब एक बजकर बीस मिनट पर वृद्धाश्रम के पहली मंजिल के एक कमरे में आग लग गयी। आग ने धीरे-धीरे पूरे वृद्धाश्रम को अपनी चपेट में ले लिया। अग्निशमन अधिकारियों ने

कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि दर्जनों लोगों को इमारत से सुरक्षित बाहर निकाला गया है। इस दौरान कम से कम छह बुजुर्गों की मौत की पुष्टि की गयी है। मिलान के मेयर ग्यूसेप साला ने कहा कि इमारत के एक कमरे में आग पर काबू पा लिया गया है, जहां आग की लपटों से दो लोगों की मौत हो गई। मेयर ने कहा कि आग पर तुरंत काबू पा लिया गया लेकिन अन्य पीड़ितों की धुएं में दम घुटने से मौत हो गई। उन्होंने कहा कि यह एक भारी क्षति है। समय पर आग पर काबू पा लिया गया, अन्यथा यह बहुत बुरा हो सकता था। आपातकालीन सेवा के प्रमुख जियानलुका चियोडिनी ने बताया कि कम से कम 80 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। साथ ही 14 को गंभीर लेकिन गैर-जानलेवा चोटें थीं और लगभग 65 को हल्की चोटें लगी थीं।